फाल्गुन कृष्ण - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 210 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 25-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

MOI
MARKET OF INDIA
INDIA'S GLOBAL MARKET

Call: 73582 00333
SCAN TO REGISTER

An Invitation to
Maha Shivratri
at Market of India, SPR City

MAHA RUDRA YAGYA

MAHA BHAKTI SANGEET

HIS HOLINESS
PT. SRI R.BHASKAR JI
DEEKSHITHAR,
THILLAI NATARAJA TEMPLE,
CHIDAMBARAM

DATE
FEBRUARY 26

VENUE
CENTRAL PLAZA,
MARKET OF INDIA
ENTRY THROUGH STEPHENSON ROAD

7 P.M. ONWARDS
THROUGHOUT THE NIGHT

INDIAN IDOL 4th WINNER
SHIVAM SINGH

DIVINE CONCERT TIME
8.30 P.M. TO 10 P.M.

WITH MAHA PRASADAM, FLEA MARKET, SPR DEAL ZONE & FOOD STREET

SPR CITY
A PROJECT WITH BINNY LTD

YOU ARE WELCOME TO JOIN THIS SPIRITUAL EXPERIENCE!

झामुमो ने लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है : झारखंड के राज्यपाल

रांची/भाषा। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि पिछले साल हुए राज्य विधानसभा के चुनाव में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन को मिले भारी जनादेश से पता चलता है कि पार्टी ने लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। इस पर विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विरोध जताया। झामुमो नीत गठबंधन ने पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता बरकरार रखी तथा भाजपा के जोरदार प्रचार अभियान के बावजूद उसे पराजित कर दिया।

गंगवार ने बजट सत्र के दौरान विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, चुनाव में रिकॉर्ड मतदान न केवल लोकतंत्र में लोगों की आस्था को दर्शाता है, बल्कि सरकार के काम और नीतियों में भी उसकी अटूट आस्था का परिचायक है। राज्यपाल ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार है और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव तथा सत्तारूढ़ गठबंधन को मिला भारी जनादेश सरकार के लिए जन कल्याण की दिशा में प्रतिबद्धता से काम करने की प्रेरणा शक्ति होगी। गंगवार ने कहा कि सरकार युवाओं, महिलाओं और वंचितों सहित सभी के सशक्तिकरण में विश्वास करती है। उन्होंने कहा, सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाकर झारखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लिया है।

महाकुंभ में स्नानार्थियों का आंकड़ा 63 करोड़ के पार पहुंचा

महाकुंभ नगर/भाषा। आस्था के सबसे बड़े समागम प्रयागराज महाकुंभ में देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का आगमन सोमवार को भी जारी रहा और 1.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के संगम में स्नान के साथ स्नानार्थियों की संख्या 63 करोड़ को पार कर गई। मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को शाम आठ बजे तक 1.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। इस तरह 13 जनवरी से प्रारंभ हुए महाकुंभ में अभी तक 63.36 करोड़ लोगों ने स्नान कर लिया है। प्रयागराज के जिलाधिकारी रवींद्र मांदड़ ने महाशिवरात्रि पर्व को लेकर तैयारियों के बारे में पीटीआई - वीडियो' को बताया, महाशिवरात्रि को लेकर हमारी पूरी तैयारी है। सभी शिवालयों में स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां की गई हैं। उन्होंने बताया, सभी स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं को सकुशल स्नान कराने की तैयारी है। अभी तक 63 करोड़ से अधिक श्रद्धालु गंगा और संगम में स्नान कर चुके हैं। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, 26 फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक गंगा और संगम में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 65 करोड़ से भी ऊपर पहुंच सकती है।

दिल्ली विधानसभा में विधायकों ने उर्दू, संस्कृत सहित छह भाषाओं में शपथ ली

नई दिल्ली। नवगठित दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को शुरू हुआ, जिसमें विधायकों ने हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, मैथिली और पंजाबी सहित छह भाषाओं में शपथ ली, जो विधायिका की भाषाई विविधता को दर्शाता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 26 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है। ऐसे में भाजपा विधायक सदन में सत्ता पक्ष के सदस्यों के लिए निर्धारित स्थान यानी विधानसभा अध्यक्ष के आसन के दाहिने ओर बैठे।

सत्र शुरू होने से पहले राज निवास में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली को दिल्ली की आठवीं विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर' (अस्थायी अध्यक्ष) के रूप में शपथ दिलाई। इसके बाद, लवली ने सबसे वरिष्ठ विधायक होने के नाते सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई। सबसे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने और फिर उनके मंत्रिमंडल में शामिल छह मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की। इसके बाद पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और गृह मंत्री आशीष सूद ने शपथ ली। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पंजाबी में, जबकि कानून एवं न्याय मंत्री कपिल मिश्रा ने संस्कृत में शपथ ग्रहण की। कई अन्य विधायकों ने अलग-अलग भाषाओं में शपथ ली।

मध्यप्रदेश का नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र निवेश का आकर्षक अवसर : मुख्यमंत्री मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को निजी क्षेत्र के कारोबारियों को राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। मप्र वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन (जीआईएस) 2025 के 'नवीकरणीय मध्यप्रदेश' सत्र में यादव ने कहा कि भारत के 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से 500 गीगावाट बिजली के लक्ष्य को प्राप्त करने में राज्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा, ''नवीकरणीय ऊर्जा एक बड़ा बाजार है और मध्यप्रदेश सरकार आपको इस यात्रा में भागीदार बनाने के लिए तैयार है।'' नवीकरणीय क्षेत्र की कई कंपनियों ने राज्य में हजारों करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की और यादव ने परियोजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकार के समर्थन का आश्वासन दिया।

उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य किसानों और परिवारों को 25 हजार करोड़ रुपये से 26 हजार करोड़ रुपये तक की भारी मात्रा में बिजली सब्सिडी दे रहा है। राज्य अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत किसानों को सौर जल पंप उपलब्ध कराने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

यादव ने साथ ही घोषणा की कि राज्य रेलवे को सस्ती हरित' बिजली की आपूर्ति करेगा और इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। रेलवे, वारी एनर्जीज और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) के बीच 170 मेगावाट बिजली खरीद समझौते पर सोमवार को हस्ताक्षर किए गए।

इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन (जीआईएस) 2025 का उद्घाटन किया। इसमें 25 हजार से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए।

इसके अलावा, 24-25 फरवरी को आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों और महावाणिज्यदूतों सहित 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी सहित भारत के शीर्ष उद्योगपति शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

मध्यप्रदेश : जीआईएस से खुलेंगे पर्यटन में निवेश की संभावनाओं के नए द्वार

दूरिज्म समिट में शामिल होंगी कई नामचीन हस्तियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर मीट के दौरान पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे। इसके तहत 25 फरवरी को 'फ्यूचर रेडी मध्यप्रदेश' के निर्माण में पर्यटन और संस्कृति के योगदान और अवसरों पर परिचर्चा होगी।

इसमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की सचिव वी विद्यावती, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला, इतिहासकार पद्मश्री केके मोहम्मद, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री अजीत बजाज, अभिनेता पंकज त्रिपाठी, इंडियन होटल्स कंपनी लि. के कार्यकारी उपाध्यक्ष रोहित खोसला, मेक माई ट्रिप के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन्स एंड कॉर्पोरेट एफेयर्स हेड समीर बजाज, जेहनुमा होटल्स के निदेशक अली राशिद और अभिनेता विजय विक्रम सिंह विचार व्यक्त करेंगे।

प्रमुख सचिव शुक्ला ने बताया कि पर्यटन क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं में कुल 1000 हेक्टेयर से ज्यादा भूमि चिह्नित की गई है। निवेशकों को इन स्थानों पर होटल, रिसोर्ट, गोल्फ कोर्स, वे-साइड एमिनिटिज जैसी परियोजनाएं शुरू करने पर नई पर्यटन नीति के तहत प्रोत्साहन दिया जाएगा।

पीपीपी परियोजनाओं में हनुवंतिया, मांडू, ओरछा, अमरकंटक सहित विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर टेंट सिटीज, कारवां पर्यटन, रोपवे, गोल्फ कोर्स और स्टैचू ऑफ वननेस (ओंकारेश्वर) और स्टैचू ऑफ यूनिटी (केवड़िया, गुजरात) को जोड़ने वाले क्रूज पर्यटन के लिए निवेश के अवसर उपलब्ध हैं। पर्यटन नीति और फिल्म पर्यटन नीति में निवेशकों को विशेष लाभ दिए जाने का प्रावधान किया गया है। फिल्म शूटिंग की अनुमति के लिए ऑनलाइन सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया गया है। जनजातीय भाषाओं, जैसे मालवी, बुंदेलखंडी आदि में फिल्में बनाने के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा।

क्षेत्रीय भाषाओं, जैसे मराठी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे सिनेमा में विविधता बढ़ेगी और इन प्रदेशों में मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों का प्रचार होगा। मध्य प्रदेश पर्यटन नीति 2025 के तहत कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन बोर्ड में 'निवेश प्रोत्साहन सेल' की स्थापना की गई है। भूमि आवंटन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। निजी निवेशकों को लैंड पार्सल, मार्ग सुविधा केंद्र और हेरिटेज संपत्तियां आवंटित की जाएंगी।

चुनाव के प्रबंधन के लिए निर्देश जारी करने बिहार आ रहे हैं प्रधानमंत्री : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस साल के अंत में होने वाले (बिहार) विधानसभा चुनाव के ''प्रभावी प्रबंधन'' के ''वास्ते निर्देश'' जारी करने के इरादे से बिहार आ रहे हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने दावा किया कि उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद भविष्यवाणी की थी कि प्रधानमंत्री अब बिहार के लिए प्रमुख होंगे।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री राज्य की बेरोजगारी और गरीबी की समस्याओं के किसी भी समाधान के साथ यहां नहीं आ रहे हैं। बिहार 20 साल तक राजग शासन में रहने के बावजूद देश में सबसे पिछड़ा राज्य बना हुआ है। मैंने दिल्ली विधानसभा के परिणाम के बाद ही कहा था कि अब प्रधानमंत्री और उनके शीर्ष सहयोगियों के आने का सिलसिला शुरू हो जाएगा क्योंकि यह एकमात्र राज्य है जहां इस वर्ष चुनाव होने हैं। मोदी चुनाव के मद्देनजर कुछ निर्देश जारी करने के लिए भागलपुर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''सर्वविदित है कि चुनावी वर्ष में आगामी कुछ महीनों तक आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी को बिहार और बिहारियों की गजब चिंता सताएगी।'' इस बीच पटना में राजद कार्यालय के समीप एक पोस्टर लगाया गया है जिसमें मोदी को उनके द्वारा किए गए वादों'' की याद दिलाया गया है जो कथित तौर पर अधूरा रह गए हैं।

श्रीशैलम सुरंग में फंसे श्रमिकों के सफल बचाव के लिए प्रार्थना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नगरकुरनूल/भाषा। तेलंगाना के सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के निर्माणाधीन खंड के आंशिक रूप से ढहने के बाद इसमें फंसे आठ लोगों के सफल बचाव के लिए सोमवार को प्रार्थना की। घटनास्थल का दौरा करने के बाद मंत्री ने कहा कि फंसे हुए श्रमिक झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे दूरदराज के राज्यों से परियोजना पर काम करने और तेलंगाना के किसानों की मदद करने के लिए आए हैं।

उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि ये आठ लोग जीवित हों। हमारा उद्देश्य लोगों को बचाना है... मैं भगवान श्रीशैल मल्लन्ना से प्रार्थना करता हूं कि वह उन्हें सुरक्षित रखें। मंत्री ने भारत राष्ट्र समिति के नेता के टी रामा राव के इस आरोप का खंडन किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विधान परिषद के चुनाव प्रचार में व्यस्त होने के कारण बचाव कार्यों को गंभीरता से नहीं लिया। वेंकट रेड्डी ने दावा किया कि विपक्षी नेता सिरसिला नहीं गए, जहां कालेश्वरम परियोजना के कारण सात लोगों की मौत हो गई थी। मंत्री ने कहा कि उनके दो कैबिनेट सहयोगी बचाव कार्यों की देखरेख के लिए सुरंग स्थल पर मौजूद हैं। वेंकट रेड्डी ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उत्तराखंड की एक सुरंग में फंसे 41 लोगों को 17 दिन के बाद सुरक्षित निकाल लिया गया था और इसलिए सरकार फंसे हुए लोगों की सुरक्षा के प्रति आशान्वित है। वहीं, एक अन्य मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने सोमवार सुबह कहा कि सुरंग में फंसे आठ लोगों के बचने की संभावना ''अब बहुत कम'' है, हालांकि उन तक पहुंचने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

आरजी कर घटना के पीछे के लोगों के लिए सख्त सजा की मांग करती हूं : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद उसकी हत्या के जिम्मेदार लोगों के लिए सोमवार को सख्त सजा की मांग की। उन्होंने जान गंवाने वाली महिला चिकित्सक को अपनी ''बहन'' बताया और पीड़िता के माता-पिता के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। महिला चिकित्सक की अस्पताल में बलात्कार के बाद हत्या कर दी गयी थी। धोनो धन्यो ऑडिटोरियम में वरिष्ठ एवं जूनियर चिकित्सकों और मेडिकल छात्रों की एक विशेष सभा को संबोधित करते हुए ममता ने न्याय सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला और अपराजिता विधेयक पेश करने पर जोर दिया, जिसमें बलात्कार के दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है।

ममता ने कहा, मैं आरजी कर अस्पताल में मारी गई बहन के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। हम इस मामले में उचित सजा की मांग करते हैं। उन्होंने कहा, मैं भी इस घटना के विरोध में सड़कों पर उतरी थी। हमारी सरकार ने अपराजिता विधेयक पारित किया था, लेकिन यह अब भी (राष्ट्रपति के पास) लंबित है। पिछले साल नौ अगस्त को कोलकाता के सरकारी अस्पताल में 31 वर्षीय चिकित्सक से बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई, जिससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया था।

रेड्डी ने एमएलसी चुनावों से पहले बीआरएस-भाजपा में सांठगांठ का आरोप लगाया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बीआरएस और भाजपा पर 27 फरवरी को होने वाले विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों के लिए गुप्त समझौता करने का सोमवार को आरोप लगाया। निजामाबाद में अपनी पहली चुनावी सभा में उन्होंने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार की टिप्पणी का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने सवाल किया था कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की पिछली सरकार के दौरान कथित अनियमितताओं की जांच शुरू करने के बावजूद कांग्रेस सरकार ने बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव और उनके बेटे के टी रामा राव के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की। रेड्डी ने आरोप लगाया कि संजय कुमार बीआरएस शासन में फोन टैपिंग मामले के दो आरोपियों (वर्तमान में अमेरिका में) के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के राज्य सरकार के अनुरोध पर कार्रवाई करने में जानबूझकर देरी कर रहे हैं।

रेलवे अगले वित्त वर्ष में 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल कर लेगा : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि रेलवे अगले वित्त वर्ष में 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा कि रेलवे नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग भी तेजी से बढ़ा रहा है।

मध्यप्रदेश के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद मध्यप्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन (जीआईएस) 2025 को ऑनलाइन संबोधित करते हुए रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि सरकार ने 2030 तक रेलवे को शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि अब तक रेलवे का 97 प्रतिशत से अधिक विद्युतीकरण हासिल किया जा चुका है और वित्त वर्ष 2025-26 तक यह 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल कर लेगा।

मंत्री ने नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली प्राप्त करने के बारे में कहा कि अब तक रेलवे को आपूर्ति करने के लिए 1,500 मेगावाट क्षमता पहले ही तय की जा चुकी है। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश के साथ आज हस्ताक्षरित 170 मेगावाट बिजली खरीद समझौता (पीपीए) इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेलवे, वारी एनर्जीज और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) के बीच पीपीए पर हस्ताक्षर किए गए हैं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि रेलवे मध्यप्रदेश से जो भी नवीकरणीय ऊर्जा है, उसे खरीदने के लिए तैयार है, बशर्ते आपूर्ति स्थिर रहे।

उन्होंने कहा, यदि मध्यप्रदेश परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी स्थापित कर सकता है, तो रेलवे खरीदने के लिए तैयार है। हम पवन ऊर्जा में भी रुचि रखते हैं। वैष्णव ने कहा कि रेलवे नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति के लिए मध्यप्रदेश के साथ हस्ताक्षरित समान मॉडल पर अन्य राज्यों के साथ भी पीपीए पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को 2025-26 के लिए 14,745 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड रेल बजट मिला है।

अभिनेता अक्षय कुमार और अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने लगाई संगम में डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम प्रयागराज महाकुंभ में आम श्रद्धालुओं के साथ ही बॉलीवुड और राजनीतिक क्षेत्र से लोगों का आना जारी है। सोमवार को बॉलीवुड अभिनेता अभिनेता अक्षय कुमार और अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने संगम में डुबकी लगाई। राजनीतिक क्षेत्र से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और पर्यावरण मंत्री पंकजा गोपीनाथ मुंडे ने संगम में स्नान किया। इनके अलावा, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने परिवार के साथ संगम में डुबकी लगाई।

संगम में स्नान के बाद अक्षय कुमार ने कहा, मैंने खूब आनंद लिया। इस बार की व्यवस्था बहुत शानदार है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इतनी बेहतरीन व्यवस्था करवाई। सोनाली बेंद्रे ने सपरिवार त्रिवेणी संगम में स्नान के बाद कहा कि महाकुंभ में आकर उन्हें अपार शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ तथा इस दिव्य आयोजन में शामिल होकर भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिकता को और उन्होंने करीब से महसूस किया। एकनाथ शिंदे ने कहा, यहां का महाकुंभ बहुत अद्भुत है। यह सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परिवर्तन का महाकुंभ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस सुव्यवस्थित आयोजन के लिए मैं उन्हें धन्यवाद दूंगा। पंकजा गोपीनाथ मुंडे ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ में जिस सुव्यवस्थित ढंग से विशाल जनसमूह के प्रबंधन की व्यवस्था की है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा, मैं यहां अध्ययन करने आई हूं ताकि 2027 में त्र्यंबकेश्वर कुंभ की तैयारी में इन अनुभवों का लाभ लिया जा सके। ज्ञानेश कुमार ने कहा, मैं स्वयं को बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं माता-पिता और परिवार के साथ मां गंगा का आशीर्वाद लेने आया हूं। बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने भी महाकुंभ में आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव किया। उन्होंने परमार्थ निकेतन शिविर में स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया।

एस जयशंकर और 61 देशों के राजनयिकों ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में उठाया जीप सफारी का लुत्फ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर और 61 देशों के राजनयिकों ने सोमवार सुबह काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हाथी की सवारी की और जीप सफारी का आनंद लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये राजनयिक रविवार रात विदेश मंत्री के साथ जोरहाट पहुंचे थे और आज सुबह काजीरंगा पहुंचे। राजनयिकों ने सबसे पहले पार्क के केंद्रीय रेंज कोहोरा में हाथी की सवारी का आनंद लिया। जयशंकर मशहूर हाथी प्रद्युम्न पर सवार हुए।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पहले कहा था कि कई राजनयिकों के जीवनसाथियों ने इस यात्रा का लाभ उठाया, जबकि एडवांटेज असम 2.0 इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट समिट' में भाग लेने वाले देशों जैसे भूटान, जापान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया और अन्य के राजदूत सीधे गुवाहाटी पहुंचेंगे। हाथी की सवारी के बाद राजनयिकों ने यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल पार्क के अंदर जीप सफारी का आनंद लिया। सफारी के बाद जयशंकर और कुछ राजनयिकों को हाथियों को चारा खिलाते हुए देखा गया। विदेश मंत्री ने कहा कि यह एक अद्भुत अनुभव था। हमने गैंडे, भैंसे, हिरणों की विभिन्न प्रजातियों को देखा। उन्होंने कहा, हमने इसके बारे में सिर्फ़ किताबों में पढ़ा था और फ़िल्मों में देखा था। यह दिन की शुरुआत करने का एक बेहतरीन तरीका है। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि बहुत सारे पर्यटक काजीरंगा आ रहे हैं। जयशंकर ने कहा, मुझे बताया गया है कि इस मौसम में तीन लाख से अधिक पर्यटक काजीरंगा आए हैं। यह बहुत अच्छा है। हम चाहते हैं कि असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्य पर्यटन और निवेश दोनों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक पहचान बनाएं। जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कहते हैं कि हमारे पास प्राकृतिक और रचनात्मक दोनों तरह का पर्यटन है' और लोगों को देश के विभिन्न राज्यों में जाना चाहिए। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पहले पोस्ट किया, राजदूतों के साथ काजीरंगा नेशनल पार्क में सुबह-सुबह सफारी। असम के प्राकृतिक वन्यजीव दृश्य वास्तव में अद्भुद और बेजोड़ हैं। अगला पड़ाव- एडवांटेज असम 2.0। पोस्ट का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा, यह जानकर खुशी हुई कि माननीय मंत्री और प्रतिष्ठित राजनयिकों को काजीरंगा में कुछ बहुत ही अच्छी चीजें देखने को मिलीं। मैं आज के झूमोरबिनांदिनी के दौरान उनकी यात्रा के बारे में और अधिक सुनने के लिए उत्सुक हूं। पार्क के प्रवेश द्वार पर सभी देशों के ध्वज लगाए गए थे। असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा, काजीरंगा से लोकसभा सदस्य कामाख्या प्रसाद तासा, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की निदेशक सोनाली घोष और डीएफओ अरुण विग्नेश सफारी के दौरान मेहमानों के साथ थे।

'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद : इलाहबादिया बयान दर्ज कराने के लिए महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ के समक्ष पेश

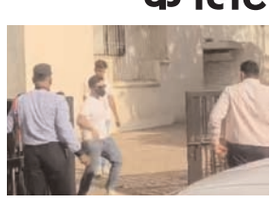

मुंबई/भाषा। यूट्यूबर रणवीर इलाहबादिया और आशीष चंचलानी इंडियाज गॉट लेटेंट' मामले के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिए महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ के समक्ष पेश हुए। अधिकारियों ने बताया महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ द्वारा जारी समन के तहत इलाहबादिया और चंचलानी दोपहर के समय नवी मुंबई के महापे स्थित एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे। अधिकारी उनके बयान दर्ज कर रहे हैं। महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ यूट्यूब पर प्रसारित शो के दौरान कथित अश्लील टिप्पणियों को लेकर इलाहबादिया व अन्य के खिलाफ दर्ज मामले की जांच कर रहा है।

▪ फाल्गुन कृष्णा - 12 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 210 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 25-02-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आम आदमी पार्टी के 32 विधायक एवं मंत्री मेरे संपर्क में : बाजवा

6 महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों?

7 अक्षय, सोनाली ने लगाई आस्था की डुबकी

फर्स्ट टेक

ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से मुलाकात की

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का स्वागत किया। मैक्रों की यात्रा अटलांटिक पार संबंधों के भविष्य के बारे में गहरी अनिश्चितता के दौर में हो रही है। ट्रंप ने अमेरिकी विदेश नीति में बदलाव किया है और वह यूक्रेन में रूस के युद्ध को जल्दी से समाप्त करना चाहते हैं। दोनों नेताओं ने युद्ध पर चर्चा करने के लिए जी7 अर्थव्यवस्थाओं के साथी नेताओं के साथ एक वर्चुअल बैठक में भाग लेने के साथ दिन की शुरुआत की। ट्रंप ने ग्रीनलैंड, कनाडा, गाजा और पनामा नहर क्षेत्रों के साथ-साथ यूक्रेन से कीमती दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की भी मांग की है।

एलआईसी को 57.2 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने सोमवार को कहा कि कर अधिकारियों ने वित्तवर्ष 2020-21 में मिले अतिरिक्त इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के लिए कंपनी को लगभग 57.2 करोड़ रुपये का नोटिस दिया है। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी को अतिरिक्त आईटीसी के संबंध में दिल्ली के सहायक आयुक्त से सोमवार को नोटिस मिला। सूचना के अनुसार, मांग का वित्तीय प्रभाव- जीएसटी (31,04,35,201 रुपये), ब्याज (23,13,21,002 रुपये) और जुर्माना (3,10,43,519 रुपये) की सीमा तक है। इसमें कहा गया है कि एलआईसी के वित्त, संचालन या अन्य गतिविधियों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इराक की जनसंख्या 4.61 करोड़ हुई

बगदाद/एपी। लगभग 40 वर्ष में इराक की पहली जनगणना के सोमवार को जारी अंतिम परिणाम बताते हैं कि देश की आबादी 4.61 करोड़ तक पहुंच गई है। साल 2009 में, एक अनौपचारिक गणना में देश की आबादी 3.16 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया था। इराकी अधिकारियों ने इस जनगणना को एक मील का पत्थर बताया है और कहा है कि यह भविष्य की योजना और संसाधन वितरण के लिए आवश्यक डेटा प्रदान करेगा। परिणामों की घोषणा करने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इराकी योजना मंत्री मोहम्मद तमीम ने कहा कि जनगणना देश में स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करती है'। इराकी सरकार दशकों के युद्ध और अस्थिरता के बाद सुरक्षा सुधारों को मजबूत करने और क्षेत्रीय उथल-पुथल के समय अर्थव्यवस्था को विकसित करने की कोशिश कर रही है।

25-02-2025	26-02-2025
सूर्यास्त 6:17 बजे	सूर्योदय 6:28 बजे

BSE	NSE
74,454.41	22,553.35
(-856.65)	(-242.56)

सोना	चांदी
9,048 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	108000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

राजनीति में

राजनीति में होते हैं,
ठप्पे ठाठ बाट के।
मखमल के भाव होते,
मामूली सी टाट के।
जब तक कुर्सी है,
सपने विराट के।
छूट जाता पद तब,
घर के न घाट के।।

मध्यप्रदेश में निवेश का यह सही समय : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि मजबूत प्रतिभाओं तथा फलते-फूलते उद्योगों के साथ मध्यप्रदेश एक पसंदीदा व्यापार स्थल बन रहा है और राज्य में निवेश करने का यह सही समय है।

'निवेश मध्य प्रदेश - वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2025' का उद्घाटन करने के बाद मोदी ने कहा, भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा अवसर आया है, जब पूरी दुनिया इसको लेकर इतनी आशावादी है। उन्होंने कहा कि आम लोग और अर्थशास्त्री, दुनिया भर के देश तथा संस्थान भारत के बारे में आशावादी हैं और उन्हें भारत से बहुत उम्मीदें हैं। इस सम्मेलन का उद्देश्य निवेशकों और उद्योगपतियों के लिए मध्यप्रदेश की असीम संभावनाओं को प्रदर्शित करना है। मोदी ने कहा, दुनिया का भविष्य भारत में है''...पिछले कुछ हफ्तों में इस तरह की टिप्पणियों ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व बैंक ने विश्वास व्यक्त किया है कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विनियमन आयोग राज्यों में निवेश के अनुकूल नियामक परिवेश बनाने में मदद करेगा। मोदी ने कहा कि ''भारत वैश्विक एयरोस्पेस' कंपनियों के लिए शीर्ष आपूर्ति श्रृंखला के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कपड़ा, पर्यटन और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आने वाले वर्षों में करोड़ों नौकरियां सृजित होंगी। उन्होंने कहा, पिछले दशक में, भारत के ऊर्जा क्षेत्र ने अभूतपूर्व वृद्धि की है, खासकर हरित ऊर्जा में। भारत ने वह कर दिखाया है जो अकल्पनीय था। मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्ष में, अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 70 अरब डॉलर, यानी 5000 अरब रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। पिछले वर्ष ही, स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 10 लाख से अधिक नौकरियां उत्तपन्न हुईं। ऊर्जा क्षेत्र में इस उछाल से मध्यप्रदेश को बहुत लाभ हुआ है।

प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश सरकार की 18 नई नीतियों का भी अनावरण किया, जिनका उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करना है। मोदी ने कहा, बेहतरीन प्रतिभाओं और संपन्न उद्योगों के साथ, मध्य प्रदेश एक पसंदीदा व्यवसाय स्थल बन रहा है। उन्होंने कहा, ''मध्य प्रदेश में डबल इंजन' सरकार बनने के बाद विकास की गति दोगुनी हो गई है।'' मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश भारत में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में क्रांति लाने वाले अग्रणी राज्यों में से एक है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मध्यप्रदेश को जीवनदायिनी मां नर्मदा (नदी) का आशीर्वाद प्राप्त है।'' मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश में शीर्ष राज्यों में शामिल होने की सभी संभावनाएं और क्षमताएं हैं। उन्होंने कहा, '2पिछले दशक में भारत ने बुनियादी ढांचे में उछाल देखा है। मैं कह सकता हूं कि मध्य प्रदेश को इससे बहुत लाभ हुआ है।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का एक बड़ा क्षेत्र मध्यप्रदेश से होकर गुजरता है। राज्य को मुंबई बंदरगाहों और उत्तर भारत के बाजार से जोड़ा गया।

देश की आम भाषा हो सकती है हिंदी, द्रमुक संकीर्ण राजनीति कर रही : विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। तमिल भारत की राष्ट्रीय भाषाओं' में से एक है, लेकिन केवल हिंदी ही देश में समन्वय की आम भाषा के रूप में काम कर सकती है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सोमवार को यह बात कही। उसने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक से कहा कि वह इस बात को अस्वीकार करके राज्य को देश की प्रगति की मुख्यधारा से अलग न करे। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की टिप्पणी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत निर्धारित स्कूली शिक्षा के लिए तीन-भाषा फॉर्मूले को लेकर चल रहे विवाद की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रमुक ने केंद्र पर नीति के कार्यान्वयन पर जोर देकर राज्य पर हिंदी थोपने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

विहिप के संयुक्त महासचिव सुरेंद्र जैन ने संस्कृत को लेकर नियमित रूप से आपत्ति जताने के लिए भी द्रमुक की आलोचना की और कहा कि 'पार्टी वोट बैंक के पीछे अंधी हो गई है' लेकिन वह तमिलनाडु को हिंदी और संस्कृत से अलग करके उसकी जड़ों से नहीं काट सकती। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनईपी के तमिलनाडु सरकार के ''विरोध को राजनीतिक' करार देते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि तीन भाषा के फॉर्मूले में छात्रों पर हिंदी नहीं थोपी जा रही और राज्य सरकार स्कूली शिक्षा पर कोई भी तीन भारतीय भाषाएं चुन सकती है।

प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर जैन ने तमिलनाडु सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि द्रमुक हिंदी को खारिज करके राज्य को देश की प्रगति की मुख्यधारा' से अलग करना चाहती है। उन्होंने पीटीआई-भाषा' से कहा, इसलिए यह एनईपी को लागू नहीं कर रही है, जबकि सभी शिक्षाविदों का मानना ड्ड्है कि यह नई पीढ़ी सहित लोगों की प्रगति सुनिश्चित करने और उन्हें अच्छे नागरिक बनाने के लिए एक अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि तमिल भी एक राष्ट्रीय भाषा' है, लेकिन देश को एक आम भाषा की जरूरत है जिसे हर कोई बोल सके। जैन ने पूछा, क्या वे अंग्रेजी बोलेंगे?

उन्होंने कहा, ''अगर पूरे देश में समन्वय की कोई भाषा हो सकती है, तो वह केवल हिंदी हो सकती है। इसलिए कृपया इसे खारिज करके तमिलनाडु को राष्ट्रीय प्रगति की मुख्यधारा से अलग न करें।'' विवाद के बीच, तमिल समर्थक कार्यकर्ताओं ने रविवार को राज्य के दो रेलवे स्टेशनों पर लगे बोर्ड पर हिंदी शब्दों पर कालिख पोत दी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी प्रसारित हुआ, जिसमें कार्यकर्ताओं को हिंदी में लिखे पोलाची जंक्शन' पर कालिख पोतते देखा गया। बाद में अधिकारियों ने इसे ठीक कर दिया। द्रमुक कार्यकर्ताओं ने तिरुनेलवेली जिले के पलायनकोट्टई स्टेशन के बोर्ड पर हिंदी नाम को भी काले पेंट से रंग दिया। रेलवे सुरक्षा बल ने रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के तहत छह पार्टी कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज किया।

हम ऐसा जम्मू-कश्मीर चाहते हैं जहां आतंकवाद के कारण किसी की जान न जाए : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में शांति है और यह शांति स्थायी होनी चाहिए तथा नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का लक्ष्य ऐसा जम्मू कश्मीर बनाना है जहां आतंकवाद के कारण किसी की जान नहीं जाए।

वतन को जानो युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय राजधानी आए जम्मू-कश्मीर के युवाओं से बातचीत में शाह ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को किसी भी अन्य राज्य के लोगों की तरह पूरे देश पर समान अधिकार हैं और पूरा भारत केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को प्यार और सम्मान की नजर से देखता है। उन्होंने कहा कि जब आतंकवाद खत्म हो जाएगा तो पुलिस की तैनाती की जरूरत नहीं होगी और वह दिन दूर नहीं है। शाह ने कहा, जब शांति होगी तो पुलिस की जरूरत नहीं होगी। यह संदेश आपको अपने दोस्तों, परिवार और गांवों तक ले जाना होगा...जब आप घर जाएं तो अपने दोस्तों, पड़ोसियों को बताएं कि पूरा देश शांति से रह रहा है और जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी शांति से रहना चाहिए।''

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति है और यह शांति स्थायी होनी चाहिए तथा हमारा लक्ष्य ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाना है जहां आतंकवाद के कारण किसी की जान न जाए। गृह मंत्री ने कहा, हिंसा से कुछ हासिल नहीं होता। जम्मू-कश्मीर में दशकों से चल रहे आतंकवाद के कारण 36,000 लोगों की जान चली गई।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद 370 को हटाकर देश को सभी के लिए बराबर बना दिया है और अब जम्मू-कश्मीर के लोगों को भारत में कहीं भी समान अधिकार प्राप्त हैं, जैसे दिल्ली, राजस्थान, गुजरात या राजस्थान के लोगों को हैं। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर पर आपका अधिकार है। क्या यह अच्छा नहीं है कि देश के अन्य 29 राज्यों पर भी आपका समान अधिकार हो? जम्मू-कश्मीर की तरह पूरा देश आपका है। उन्होंने कहा कि शांति सभी के लिए सबसे महत्वपूर्ण है और मोदी सरकार के तहत जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास आया है, अस्पताल, सड़कें और पुल बने हैं, बुनियादी ढांचे का निर्माण हुआ है। गृह मंत्री ने कहा, पूरा देश जम्मू-कश्मीर के लोगों को प्यार और सम्मान की नजर से देखता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वहां शांति कायम है। शांति के कारण ही जम्मू-कश्मीर में विकास हो रहा है।

शाह ने कहा कि पहले कोई थिएटर नहीं था और कोई भी फिल्म देखने नहीं जा सकता था। उन्होंने कहा कि कोई ताजिया जुलूस नहीं होता था, लेकिन अब ये सब हो रहा है। स्थानीय निकायों के लिए चुनाव हुए और 36,000 लोग पंच, सरपंच चुने गए। उन्होंने कहा कि ये सब पिछले 10 सालों में हुआ है। शाह ने कहा कि दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल अब जम्मू-कश्मीर में स्थित है, एशिया की सबसे लंबी सुरंग केंद्र शासित प्रदेश में स्थित है। यह एकमात्र ऐसा स्थान है जहां दो अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और दो भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर में 24 कॉलेज और आठ विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं।

एक साथ चुनाव कराना अलोकतांत्रिक नहीं, संघीय ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचाएगा : विधि मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। विधि मंत्रालय ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संबंधी विधेयकों की पड़ताल कर रही संसद की संयुक्त समिति से कहा है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना अलोकतांत्रिक नहीं है और इससे संघीय ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा। संयुक्त समिति के सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में, ऐसा समझा जाता है कि केंद्रीय विधि मंत्रालय के विधायी विभाग ने कहा है कि अतीत में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए गए थे, लेकिन कुछ राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने सहित विभिन्न कारणों से यह चक्र टूट गया था। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने कुछ सवालों के जवाब दे दिए हैं, जबकि कुछ अन्य सवालों को निर्वाचन आयोग को भेज दिया गया है। संयुक्त समिति की अगली बैठक मंगलवार को होगी।

संविधान को अंगीकृत किये जाने के बाद 1951 से 1967 तक लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ आयोजित किये गये। लोक सभा और राज्य विधानसभाओं के लिए पहले आम चुनाव 1951-52 में एक साथ आयोजित किये गये थे, और यह परंपरा 1957, 1962 और 1967 में हुए तीन आम चुनावों तक जारी रही। हालांकि, कुछ राज्य विधान सभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण 1968 और 1969 में चुनाव कराए जाने से यह चक्र बाधित हो गया।

पटाखा इकाई में विस्फोट की घटना में तीन महिलाओं की मौत

धर्मपुरी/भाषा। जिले में सोमवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में तीन महिलाओं की मौत हो गई। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने घटना पर दुख व्यक्त किया है। यह घटना जिले के कंबाइनल्लूर गांव में एक निजी इकाई में घटी और पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गई। चेन्नई में स्टालिन ने घटना पर दुख व्यक्त किया और तीन महिलाओं की मौत पर शोक व्यक्त किया। एक बयान में उन्होंने मुख्यमंत्री जन राहत कोष से मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षण में अपने योगदान पर भारत को गर्व है : एस. जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में सार्थक योगदान देना जारी रखेगा और वह शांति रक्षण क्षमताओं के निर्माण में 'ग्लोबल साउथ' देशों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। जयशंकर ने यह भी कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में शांति अभियानों में महिलाओं की भागीदारी ने मिशन को और अधिक विविधतापूर्ण तथा समावेशी बना दिया है। विदेश मंत्री ग्लोबल साउथ की 'महिला शांतिरक्षकों' पर भारत की मेजबानी में आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

सम्मेलन में 35 देशों की महिला शांतिरक्षक शामिल हो रही हैं जो शांति स्थापना अभियानों में महिलाओं की उभरती भूमिका का पता लगाने और उनकी भागीदारी बढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा करेंगी। इसका उद्देश्य ग्लोबल साउथ के देशों के बीच संवाद को बढ़ावा देकर, अनुभव साझा करके और सहयोग में सुधार करके संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका को मजबूत करना है।

जयशंकर ने कहा कि भारत को अपने योगदान और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के साथ जुड़ाव पर गर्व है, यह एक प्रतिबद्धता है जो दशकों से बनी हुई है।

उन्होंने कहा, 1950 के दशक से भारत ने 50 से अधिक मिशनों में 2,90,000 से अधिक शांतिरक्षक भेजे हैं। वास्तव में, भारत आज भी सबसे अधिक सैन्य योगदान देने वाला देश बना हुआ है। जयशंकर ने कहा कि भारत का दृढ़ विश्वास है कि शांतिरक्षण अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने में 'एक प्रभावी साधन' है। उन्होंने कहा, भारत ने दुर्भाग्य से लगभग 180 शांति सैनिकों को खो दिया है, जिनके सर्वोच्च बलिदान हमारे सामूहिक प्रयासों के इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हैं। जयशंकर ने कहा, शांति अभियानों में महिलाओं की भागीदारी इसे और अधिक विविधतापूर्ण एवं समावेशी बनाती है। यह आवश्यक है कि हम शांति स्थापना में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाते रहें। उन्होंने कहा, यह केवल मात्रा का ही मामला नहीं है, बल्कि गुणवत्ता का भी मामला है।

इंदिरा गांधी पर टिप्पणी से सियासी संग्राम : कांग्रेस का विधानसभा घेराव के लिए जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता, पुलिस ने कसी सुरक्षा की लगाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी और छह विधायकों के निलंबन के विरोध में सोमवार को कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा का घेराव का ऐलान कर दिया। कांग्रेस कार्यकर्ता 22 गोदाम स्थित सहकार भवन के पास जुटे और विधानसभा कूच की तैयारी में हैं। हालांकि, पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं और प्रदर्शनकारियों को सहकार भवन से आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। विधानसभा घेराव को देखते हुए 22 गोदाम सर्किल स्थित भारत पेट्रोल पंप से विधानसभा जाने वाले मार्ग पर दोहरी बैरिकेडिंग की गई है। इसी क्षेत्र में कांग्रेस का मंच भी बनाया गया है, जहां से नेता प्रदर्शनकारियों को संबोधित कर रहे हैं। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को पेट्रोल पंप से पहले ही रोकने की तैयारी कर ली है, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

मामले की जड़ में विधानसभा में हुई एक टिप्पणी है। 21 फरवरी को प्रश्नकाल के दौरान सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत ने इंदिरा गांधी को लेकर टिप्पणी की थी, जिस पर कांग्रेस भड़क उठी। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने वेल में जाकर हंगामा किया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही चार बार स्थगित करनी पड़ी। राजनीतिक गलियारों में इस घटनाक्रम को लेकर हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस इसे भाजपा सरकार की तानाशाही करार दे रही है, जबकि भाजपा का कहना है कि सदन की गरिमा बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। अब देखना यह होगा कि कांग्रेस का यह आंदोलन क्या कोई नया राजनीतिक मोड़ लाता है या यह विरोध प्रदर्शन सिर्फ एक प्रतीकात्मक दबाव तक सीमित रहेगा।

विधानसभा में मंत्री की टिप्पणी को लेकर गतिरोध जारी, सदन की कार्यवाही चौथी बार स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ टिप्पणी और छह विपक्षी कांग्रेस विधायकों को निलंबित करने के मुद्दे पर बार-बार कार्यवाही बाधित हुई और बैठक चौथी बार स्थगित की गई। विधानसभा में तीन बार स्थगन के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और अन्य नेताओं ने मुद्दे को सुलझाने के लिए विपक्षी कांग्रेस विधायकों के साथ बैठक की, जिसमें गतिरोध समाप्त करने के लिए आम सहमति बनी। इस सहमति के बावजूद गतिरोध जारी रहा क्योंकि कांग्रेस विधायक और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के सदन में दिए गए जवाब से संतुष्ट नहीं थे।

पटेल ने कहा कि डोटासरा को सदन में अपने आचरण के लिए माफी मांगनी चाहिए, लेकिन डोटासरा ने कहा कि वह मंत्री अविनाश गहलोत के माफी मांगने के बाद ही सदन में माफी मांगेंगे। डोटासरा के जवाब पर असहमति जताते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को चौथी बार आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया। इससे पहले, तीसरे स्थगन के बाद जब सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई तो निलंबित छह विधायकों को छोड़कर कांग्रेस के सभी विधायक अपनी सीटों पर लौट आए। डोटासरा समेत निलंबित विधायक सदन में नहीं आए। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सदन में जो कुछ भी हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को कोई व्यवस्था देनी चाहिए, ताकि गतिरोध समाप्त हो सके।

कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने भी कहा कि गतिरोध होने पर संवाद की परंपरा रही है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी कहा कि गतिरोध ठीक नहीं है। उनके बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गोविंद सिंह डोटासरा को सदन के अंदर बुलाया और उनसे इस मामले पर बोलने को कहा। डोटासरा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी पर कैबिनेट मंत्री की टिप्पणी के बाद शुक्रवार को सदन में जो कुछ भी हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण है और ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने स्वीकार किया कि शुक्रवार को वह और अन्य विधायक विधानसभा अध्यक्ष के आसन के सामने पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष विपक्ष को संरक्षण दे रहे हैं और उम्मीद है कि यह सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पूरा प्रकरण खेदजनक है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि उन्होंने (डोटासरा) अपने आचरण के लिए माफी नहीं मांगी है। संसदीय कार्य मंत्री ने भी कहा कि डोटासरा को वही सदन में कहना चाहिए जो बैठक में तय हुआ था।

उन्होंने कहा कि डोटासरा को अपने आचरण के लिए खेद व्यक्त करना चाहिए। इस पर कांग्रेस विधायक डोटासरा ने कहा कि मामला कैबिनेट मंत्री की टिप्पणी से शुरू हुआ और उन्हें पहले अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताना चाहिए और उसके बाद ही वह बोलेंगे। उन्होंने कहा, मैं पहले मंत्री की बात सुनूंगा, इसके बाद ही (माफी के लिए) सदन में कहूंगा।

पटेल ने कहा कि बैठक में डोटासरा ने खेद व्यक्त करने पर स्पष्ट रूप से सहमति जताई थी, लेकिन अब वह ऐसा नहीं कर रहे हैं, जो उनके अनुसार सदन का अपमान है। उसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए चौथी बार स्थगित कर दी। इससे पहले कांग्रेस सदस्यों की नारेबाजी के बीच सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित हुई। इस दौरान सदन में प्रश्नकाल शुरू होने पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत सभी छह निलंबित विधायक मौजूद थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने निलंबित सदस्यों को सदन से बाहर जाने को कहा, लेकिन उन्होंने अपना विरोध जारी रखा, जिसके बाद अध्यक्ष ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। जब बैठक दोपहर 12 बजे फिर से शुरू हुई तो कांग्रेस विधायकों ने विरोध जारी रखा। विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही फिर दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी और निलंबित विधायकों को सदन से बाहर निकालने के लिए मार्शल बुलाए। हालांकि, निलंबित कांग्रेस विधायकों ने सदन छोड़ने से इनकार कर दिया। जब सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे फिर से शुरू हुई तब भी हंगामा जारी था जिसके बाद पीठासीन सभापति फूल सिंह ने कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

उल्लेखनीय है कि मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा था, 2023-24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था। इस टिप्पणी को लेकर सदन में भारी हंगामा हुआ था, जिसके कारण तीन बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन, हाकम अली और संजय कुमार सहित छह कांग्रेस विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया गया। सदन की बैठक स्थगित होने के बाद कांग्रेस विधायकों ने मंत्री से माफी मांगने और निलंबन रद्द करने की मांग करते हुए विधानसभा में धरना शुरू कर दिया।

लोहागढ़ किले में वर्षों से बसे परिवारों को टैक्स लेकर भी धमका रहा है प्रशासन : डॉ. सुभाष गर्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। शहर के ऐतिहासिक लोहागढ़ किले के भीतर स्थित आवासीय कॉलोनियों में लंबे समय से रहने वाले हजारों परिवारों को प्रशासन द्वारा उनके मकानों को अवैध बताकर तोड़ने की धमकी दी जा रही है। इससे वहां के निवासियों में भजनलाल सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश है। सोमवार को इस मुद्दे को भरतपुर विधायक और पूर्व मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने राजस्थान विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव के जरिए उठाया और राज्य सरकार से स्थानीय निवासियों को सुरक्षा देने की मांग की।

इससे पहले डॉ. सुभाष गर्ग ने विधानसभा में कहाकि लोहागढ़ किले के अंदर स्थानीय लोग पिछले 20-30 सालों से वहां निवास कर रहे हैं और सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न सुविधाओं का लाभ भी ले रहे हैं। इनमें बिजली, पानी, सड़क और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वहां रहने वाले गृह स्वामी नियमित रूप से यूडी टैक्स (शहरी विकास कर) भी जमा कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन का यह कहना कि ये मकान अवैध हैं और इन्हें तोड़ा जाएगा, पूरी तरह से अनुचित है।

विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने यह भी कहा कि लोहागढ़ किले के भीतर बसे इन निवासियों को प्रशासन द्वारा नोटिस देकर और मौखिक रूप से धमकाया जा रहा है कि उनके मकान अवैध हैं और इन्हें जल्द ही तोड़ दिया जाएगा। इससे वहां के लोगों में भय और चिंता का माहौल है।

डॉ. गर्ग ने आगे कहा कि उक्त भूमि पूर्व में भरतपुर रियासत द्वारा वहां रह रहे निवासियों को दी गई थी, और इस संबंध में भू-स्वामियों के पास दस्तावेजी प्रमाण भी मौजूद हैं। इतना ही नहीं, लोगों ने इस भूमि का विक्रय पत्र के आधार पर शुल्क जमा कर पंजीकरण कराया और मकान निर्माण करवाया।

डॉ. गर्ग ने यह भी बताया कि लोहागढ़ किले के अंदर कई सरकारी भवन, राजकीय महाविद्यालय, सरकारी कार्यालयों के भवन, कई सरकारी संस्थान और निजी होटल भी संचालित हो रहे हैं। ऐसे में केवल निवासियों को निशाना बनाना और उन्हें बेदखल करने की धमकी देना न्यायोचित नहीं है।

विधानसभा में अपनी बात रखते हुए डॉ. सुभाष गर्ग ने भजन लाल सरकार से अपील की कि प्रशासन लोहागढ़ किले के भीतर रह रहे भू-स्वामियों को बेवजह परेशान न करे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप कर समाधान निकालना चाहिए, ताकि वर्षों से बसे परिवारों को बेघर होने से बचाया जा सके। डॉ. गर्ग की इस अपील के बाद अब यह देखना होगा कि सरकार इस मामले में क्या रुख अपनाती है और क्या प्रशासन बेदखली के आदेश पर पुनर्विचार करता है या नहीं। फिलहाल, लोहागढ़ किले में बसे हजारों परिवार इस फैसले को लेकर चिंतित हैं और सरकार से राहत की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

झालावाड़ में बोरवेल में गिरे पांच वर्षीय बच्चे की मौत

कोटा। राजस्थान के झालावाड़ जिले में रविवार को बोरवेल में गिरे पांच वर्षीय बच्चे को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) ने 32 फुट की गहराई से करीब 16 घंटे के बचाव अभियान के बाद सोमवार तड़के मृत अवस्था में बाहर निकाला। गंगधर के उपखंड अधिकारी (एसडीएम) छतरपाल चौधरी ने बताया कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने सोमवार की सुबह करीब चार बजे बच्चे को बाहर निकाला। घटनास्थल पर मौजूद चिकित्सकीय दल ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। एसडीएम ने बताया कि बच्चे के बोरवेल में गिरने की घटना के लगभग एक घंटे बाद ही स्थानीय संसाधनों की मदद से बचाव अभियान शुरू कर दिया गया था। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों भी बच्चे की जान बचाने के लिए घटनास्थल पर पहुंची थी। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जयप्रकाश अटल ने बताया कि बच्चे को पाइप के जरिए ऑक्सीजन पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन वह बच नहीं सका। उन्होंने बताया कि शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। बच्चे के माता-पिता ने इस हादसे को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है जिसके आधार पर आगे की जांच के लिए मामला दर्ज किया जाएगा।

ओम बिरला ने सुनी जन समस्याएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अपने दो दिवसीय कोटा दौरे के दौरान आमजन से मिले और उनकी जन समस्याओं को सुना। शक्ति नगर स्थित उनके आवास पर कोटा-बूंदी क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे और अपनी समस्याएं ज्ञापन के रूप में सौंपीं। स्पीकर बिरला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी उनसे मुलाकात की और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जब भी वह संसदीय क्षेत्र में आते हैं, तो जनता से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनते हैं और विकास कार्यों का जायजा लेते हैं। इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास योजनाओं पर चर्चा भी की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार को बूंदी के दौरे पर रहेंगे, जहां वे पूर्व विधायक प्रभूलाल करसोलिया की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे करवर ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित होगा। इसके अलावा, वे नैनवा पंचायत समिति क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी करेंगे। कार्यक्रम के बाद वे जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के लिए प्रभावी वातावरण बने : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के लिए प्रभावी वातावरण बनाने का आह्वान करते हुये कहा है कि इसके लिए वाहन चालकों को शिक्षित, प्रशिक्षित करने के साथ वाहन मालिकों के लिए आर्थिक दंड निर्धारित किये जाये और उनकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। बागड़े सोमवार को बीकानेर के राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सभागार में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा कार्यशाला के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा संवेदनशील विषय है। आमजन को यातायात नियमों की पालना के मार्गदर्शन के साथ सुरक्षित यात्रा के लिये निरंतर जागरूक किया जाये। उन्होंने वाहन चालकों को नशामुक्त करने के लिये भी कार्य करने पर जोर दिया।

बागड़े ने इस दौरान सड़क सुरक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली नौ प्रतिभाओं को सम्मानित किया। राज्यपाल ने सड़क सुरक्षा पर आधारित पुस्तक ..सड़क सुरक्षा की स्वर लहरिया.. का विमोचन भी किया। इस दौरान राज्यपाल ने वाहन दुर्घटनाओं में घायलों का सहायता के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में बागड़े ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनिल पांडिया, जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक हरि शंकर आचार्य, मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष ऑर्थोपेडिक्स विभाग डॉ बी. एल. खजोटिया, बीकानेर पुलिस के निरीक्षक नरेश निर्वाण, जिला क्षय रोग निवारण अधिकारी डॉ. सी.एस. मोदी, सेवानिवृत्त चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार वर्मा, बीएसएफ हेड कांस्टेबल व्हीकल मैकेनिक राजकुमार, श्रीगंगानगर यातायात पुलिस के कांस्टेबल राकेश कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को चिकित्सा सेवा मुहैया करवाकर जीवन रक्षा करने के लिये श्रीराम मंडा का स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

अनुसंधान का लाभ पहुंचाने की कड़ी के रूप में काम करें कृषि विश्वविद्यालय : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों तक शोध, अनुसंधान का लाभ पहुंचाने की कड़ी के रूप में काम करें। उन्होंने कहा कि पानी की बचत ही इसका उत्पादन है। इसलिए सभी पानी की बचत में सहयोग करें। राज्यपाल बागड़े सोमवार को बीकानेर जिले में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी।

राज्यपाल ने कहा कि कृषि और पशुपालन हमारी आजीविका का आधार रहा है। खेती और पशुपालन का विकास ही राष्ट्र के विकास की धुरी है। राज्यपाल ने कहा कि 'हर खेत को पानी, हर हाथ को काम' की अवधारणा को साकार करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कृषि की नई तकनीकें इजाद करें और किसानों तक इन्हें पहुंचाएं। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। दीक्षांत अतिथि डॉ मंगला राय ने कहा कि वैश्विक जनसंख्या की बढ़ती आहार आवश्यकता, घटती खेती योग्य जमीन, उर्वरा शक्ति का क्षरण, पानी की कमी, कृषि लागतों में बढ़ोतरी जैसे विषय भविष्य की गंभीर चुनौतियां होंगी।

समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया।

मंत्रिमंडलीय उपसमिति की रिपोर्ट पर अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के सम्बन्ध में लिया जाएगा निर्णय : दिलावर

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि प्रदेश के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के संचालन के सम्बन्ध में उचित निर्णय लेकर विद्यार्थियों के हित में कार्यवाही की जाएगी। दिलावर प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा मंत्रिमंडलीय उपसमिति का गठन किया गया है और इसकी रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि गत सरकार द्वारा केवल नाम के लिए महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोल दिए गए। इन विद्यालयों में ना तो कक्षा कक्षों की व्यवस्था की गई और न ही प्रशिक्षित अंग्रेजी माध्यम शिक्षक उपलब्ध कराये गये ।

मुख्यमंत्री ने 1,000 दवा दुकानें शुरू कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को राज्यभर में 1,000 'मुधलवर मरुंधगंगल' दवाई दुकानों का उद्घाटन किया। यह दुकानें लोगों को रियायती दरों पर दवाएं उपलब्ध कराएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से न केवल जनता को किफायती दामों पर दवाईयां उपलब्ध होंगी, बल्कि 1,500 बी.फार्मा और डी.फार्मा डिग्री/डिप्लोमा धारकों के लिए रोजगार के अवसर भी सुनिश्चित होंगे।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने उद्घाटन समारोह में कहा, हम यह स्थिति समाप्त करना चाहते थे जहां जनता को महंगी दरों पर दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। ये दुकानें उनके आर्थिक बोझ को कम करने में मदद करेंगी। इन दवाई दुकानों में दवाएं 75 प्रतिशत तक की छूट पर उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार ने फार्मासिस्टों और सहकारी समितियों को सब्सिडी और वित्तीय सहायता प्रदान की है। उद्यमियों को तीन लाख रुपये और सहकारी समितियों को दो लाख रुपये की सब्सिडी दी गई है। स्टालिन ने कहा कि इन फार्मेसियों में तीन महीने की दवाओं का स्टॉक पहले से रखा गया है और पूरे राज्य के 38 जिलों में गोदाम स्थापित किए गए हैं।

उद्घाटन दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को चेन्नई चेपक्कम-तिरुवल्लिकेनी विधानसभा क्षेत्र के तहत सीआईटी कॉलोनी, विवेकानंदपुरम में सहकारी विभाग द्वारा स्थापित मल्टालवार फार्मेसी में जनता के लिए फार्मास्युटिकल उत्पादों की बिक्री का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने किया। इस अवसर पर विधान सदस्य (अयराम लैंप) डॉ. ना.एज़िलान, मेट्रोपॉलिटन चेन्नई कॉर्पोरेशन की स्थायी समिति के अध्यक्ष (संचालन) एन. सितारसु उपस्थित थे।

निरीक्षण दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के गोपालपुरम में सोमवार को 8 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कलैनार सेंटेनरी बॉक्सिंग अकादमी के अंतिम चरण का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करते हुए उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन। इस अवसर पर विधान सभा सदस्य डॉ. ना एज़िलान, अपर मुख्य सचिव युवा कल्याण एवं खेल विकास विभाग डॉ. अदुल्या मिश्रा आदि उपस्थित थे।

भारत में इस्लामिक खिलाफत स्थापित करने के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ आरोप पत्र दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सोमवार को तमिलनाडु के एक व्यक्ति के खिलाफ भारत में युवाओं के अंदर कट्टरता पैदा करने और इस्लामिक खिलाफत स्थापित करने की दिशा में काम करने के मामले में आरोपपत्र दायर किया गया है। एक आधिकारिक वक्तव्य में यह जानकारी दी गई।

इसमें कहा गया कि एनआईए विशेष अदालत, पूनामल्ली, चेन्नई में अजीज अहमद उर्फ जलील अजीज अहमद के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया गया है। एनआईए की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह मामला प्रतिबंधित हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) आतंकवादी संगठन द्वारा भारत विरोधी विचारधारा का प्रचार करने और देश में उसके संस्थापक तकी अल-दीन अल-नभानी के विधान को लागू करने की आपराधिक साजिश से संबंधित है। एनआईए की जांच के अनुसार अजीज उस षड्यंत्र का हिस्सा था जिसमें संगठन की गुप्त कक्षाओं में युवाओं की भर्ती की गई और उन्हें कट्टर बनाया गया। जांच एजेंसी ने कहा, वह अन्य आरोपियों और एचयूटी सदस्यों के साथ राष्ट्र विरोधी ताकतों से सैन्य सहायता (नुसरा) के साथ भारत में इस्लामी खिलाफत स्थापित करने के लिए काम कर रहा था।

चेन्नई में डाकघर, बीएसएनएल कार्यालय के बोर्ड पर लिखे हिंदी शब्दों पर कालिख पोती गई

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कुछ कार्यकर्ताओं ने सोमवार को चेन्नई के अलंदूर में सेंट थॉमस माउंट डाकघर और निकटवर्ती बीएसएनएल कार्यालय के बोर्ड पर लिखे हिंदी शब्दों पर कालिख पोत दी। द्रमुक कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के माध्यम से तमिलनाडु पर कथित तौर पर हिंदी थोपने की केंद्र सरकार की कोशिशों के विरोध में यह कदम उठाया। पुलिस ने कहा कि रविवार को पोलाची और पलायमकोट्टई रेलवे स्टेशन के नाम वाले बोर्ड पर लिखे हिंदी शब्दों को विरूपित करने के लिए द्रमुक के 11 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के मुताबिक, द्रमुक कार्यकर्ताओं ने तमिलनाडु पर हिंदी थोपने के कथित प्रयास के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। तमिलनाडु तमिल और अंग्रेजी को अपनाते हुए दोहरी भाषा नीति का पालन करता है।

करुवन्नूर बैंक घोटाले सहित धनशोधन मामलों में धनराशि वापस करेगा ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक के करोड़ों रुपये के घोटाले सहित आठ मामलों में धनशोधन जांच के दौरान कुर्क की गई संपत्तियों और धनराशि को वापस सौंपना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ईडी-कोच्चि के क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि इस मामले में 128 करोड़ रुपये की संपत्ति और धनराशि कुर्क की गई है। ईडी के एक अधिकारी ने कहा, हम धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में याचिका दायर कर बैंक को धनराशि वापस सौंपने की अनुमति मांगेंगे, क्योंकि वह भी इस मामले में पीड़ित है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने धनराशि बैंक को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है, लेकिन पिछले तीन महीनों से लगातार संपर्क के बावजूद उन्हें बैंक से कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि अब तक घोटाले के पांच पीड़ितों ने क्षतिपूर्ति की मांग करते हुए ईडी से संपर्क किया है। इस मामले में दूसरा आरोपपत्र जल्द ही दाखिल किया जाएगा। त्रिशूर स्थित करुवन्नूर सहकारी बैंक में 2010 में शुरू हुई कथित धोखाधड़ी के इस मामले ने दो साल पहले केरल में राजनीतिक विवाद को जन्म दिया था। इस मामले में कई आरोपी केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता हैं। धनशोधन का यह मामला केरल पुलिस (अपराध शाखा) द्वारा त्रिशूर में दर्ज 16 प्राथमिकियों से उत्पन्न हुआ है।

पुष्पांजलि दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को चेन्नई में तमिलनाडु सरकार की ओर से, पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती जे जयललिता के 77 वें जन्मदिन के अवसर पर तमिलनाडु विकास और सूचना विभाग के सचिव वी. राजारमन, समाचार जनसंपर्क विभाग के निदेशक वी. राजारमन ने अम्मा की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

अन्नाद्रमुक सदस्यों ने पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने अपनी प्रिय नेता एवं तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता को यहां सोमवार को उनकी 77वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। पलानीस्वामी यहां रोयापेट्टा स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचे और अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ जयललिता की सुसज्जित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में उन्होंने 77 किलोग्राम वजन का एक विशाल केक काटा और कार्यकर्ताओं में बांटा।

अन्नाद्रमुक से निष्कासित पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम ने अपने समर्थकों के साथ चेन्नई में जयललिता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। अपने समर्थकों के बीच वह 'पुरात्ची थलाइवी' (क्रांतिकारी नेता), इधाया थैवम (हृदय की देवी) और लौह महिला के रूप में मशहूर थीं।

जयललिता का जन्म 24 फरवरी, 1948 को हुआ था और उन्हें विशेष रूप से अम्मा कैंटीन, अम्मा फार्मेसी, गरीब महिलाओं को थाली (मंगलसूत्र) के लिए सोना और बालिका कल्याण योजनाओं जैसी अभिनव योजनाओं के माध्यम से गरीबों एवं हाशिए के वर्गों तक पहुंच वाली सामाजिक कल्याण योजनाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। आरक्षण की नीति, कावेरी के जल पर राज्य के अधिकारों की रक्षा एवं पुरुष-प्रधान दुनिया में राजनीतिक परिदृश्य में नेतृत्व करने के लिए भी उनकी प्रशंसा की जाती है। यहां एक निजी अस्पताल में 75 दिनों से अधिक समय तक भर्ती रहीं जयललिता ने पांच दिसंबर, 2016 को अंतिम सांस ली।

पार्टी के सदस्यों ने इस अवसर पर राज्य के विभिन्न हिस्सों में रक्तदान शिविर आयोजित किए और मिक्सर, ग्राइंडर, सिलाई मशीन और चिकित्सा किट सहित कल्याणकारी सहायता वितरित की। जयललिता के लोकप्रिय नारे मक्कलाल नान, मक्कलुक्कागवे नान (मैं लोगों के कारण हूं, मैं लोगों के लिए हूं) को याद करते हुए पलानीस्वामी ने 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत के लिए प्रयास करने की अपील की।

पलानीस्वामी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अन्नाद्रमुक के नेतृत्व में एक विजेता गठबंधन बनाया जाएगा। हम अद्भुत जीत हासिल करने जा रहे हैं। आइए, हम इसके लिए अथक परिश्रम करें। आइए, 'अम्मा' के सच्चे अनुयायी के रूप में सेवा करें।

हिंदी कविता न सुनाने पर छात्र को पीटने की आरोपी शिक्षिका निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के एक स्कूल में हिंदी में कविता नहीं सुना पाए कक्षा तीन के एक छात्र को पीटने के अरोप में शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया। स्कूल प्रबंधन ने यह जानकारी दी। प्रबंधन ने सोमवार को कहा कि 21 फरवरी को जांच के बाद शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है।

नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया, यह घटना स्कूल प्रशासन के संज्ञान में पिछले शुक्रवार को आई थी। शिक्षिका ने छात्र को हिंदी कविता न सुनाने के लिए दंडित किया था। जांच के बाद उसे निलंबित कर दिया गया। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह मामला केवल पीड़ित छात्र के माता-पिता और शिक्षिका के बीच का है। पिछले सप्ताह हुई घटना के बाद भवन राजाजी विद्याश्रम स्कूल में पढ़ने वाले छात्र के अभिभावकों ने सीबीएसई स्कूल के प्रबंधन के समक्ष यह मुद्दा उठाया था, जिसने हिंसा के प्रति 'शून्य सहनशीलता' की नीति अपनाई है। अनुशासनात्मक कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि स्कूल के दिशा-निर्देशों में शारीरिक दंड, शारीरिक, मौखिक या भावनात्मक दुर्व्यवहार पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

अमित शाह एवं शिवकुमार ईशा योग केंद्र में महाशिवरात्रि समारोह में हिस्सा लेंगे

महाशिवरात्रि समारोह में पूरी रात चलने वाला यह समारोह बुधवार को शाम छह बजे शुरू होगा और अगली सुबह छह बजे इसका होगा समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। ईशा योग केंद्र में 26 फरवरी को आयोजित होने वाले महाशिवरात्रि समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं अन्य गणमान्य लोग शामिल होंगे। केंद्र ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि योग केंद्र के संस्थापक सदगुरु इस अवसर पर एक मुफ्त ध्यान ऐप का अनावरण करेंगे। इसमें कहा गया है, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 26 फरवरी 2025 को ईशा योग केंद्र में आदियोगी और सदगुरु की उपस्थिति में महाशिवरात्रि समारोह में शामिल होंगे।

बयान में कहा गया है कि पूरी रात चलने वाला यह समारोह बुधवार को शाम छह बजे शुरू होगा और अगली सुबह छह बजे इसका समापन होगा। इसमें कहा गया है कि कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री एवं अन्य लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

सुविचार

बड़ी चालाक होती है ये ज़िंदगी हमारी.. रोज नया कल देकर उम्र छिनती रहती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीनी ठगों के निशाने पर हमारे युवा

म्यांमार के म्यावाडी क्षेत्र का साइबर अपराध के गढ़ के रूप में उभरना भारत के लिए चिंता की बात है। वहां से साइबर अपराधी ऑडियो / वीडियो कॉल कर भारतवासियों को चूना तो लगा ही रहे हैं, वे कई नागरिकों को नौकरी का झांसा देकर उनका शोषण भी कर रहे हैं। इसी सिलसिले में वहां कई दर्जन भारतीयों को साइबर अपराधियों के शिकंजे से बाहर निकाला गया है। ये लोग 'अच्छी नौकरी' पाने के लिए 'विदेश' गए थे, जहां इनका सामना खतरनाक साइबर अपराधियों से हुआ। उन्होंने इन्हें साइबर अपराध के धंधे में लगा दिया था। जिसने विरोध किया, उसका उत्पीड़न हुआ। साइबर अपराधियों के इन गिरोहों को चीनी ठग चला रहे हैं। चूंकि चीनी लोग भारतीय भाषाओं में पारंगत नहीं होते। उनमें से कोई व्यक्ति हिंदी सीख लेता है तो भी उसका उच्चारण ज्यादा स्पष्ट नहीं होता। ऐसे में चीनी ठगों ने पहले पाकिस्तानियों को खूब भर्ती किया था। पाकिस्तान के लोग हिंदी आसानी से समझ सकते हैं। जब वे नकली पुलिस अधिकारी बनकर वीडियो कॉल करते हैं तो उन पर जल्दी शक नहीं होता। बहुत लोग उनके जाल में फंस जाते हैं। हालांकि पाकिस्तानियों के साथ बड़ी समस्या यह थी कि वे हिंदी / अंग्रेजी के अनेक शब्दों का 'ठीक' उच्चारण नहीं कर पाते। जैसे- 'स्टेटमेंट', 'महाराष्ट्र', 'तेलंगाना', 'समस्या', 'आधार कार्ड' आदि का उच्चारण करते समय ज्यादातर पाकिस्तानी ठगों की पोल खुल ही जाती है। वे इन्हें क्रमश: 'इस्टेटमेंट', 'महाराश्टर', 'तिलंगाना', 'समसिया', 'अधार कारड' बोलते हैं। जो व्यक्ति इनके शब्दों पर जरा-सा ध्यान देगा, वह तुरंत समझ जाएगा कि ये पाकिस्तानी ठग हैं।

चीनी साइबर अपराधी इस बात को समझ चुके हैं। इसलिए वे भारतीय नौजवानों की 'भर्तियां' करने लगे हैं। चूंकि किसी भी भारतीय को अपने देश, समाज, भाषा, परंपराओं और तौर-तरीकों की जानकारी होती ही है, इसलिए उसे मोहरा बनाया जाएगा तो ज्यादा लोग फंसेंगे! जिन लोगों को साइबर अपराधियों के चंगुल से निकाला गया, उनका ताल्लुक गुजरात, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, कर्नाटक जैसे राज्यों से है। साइबर ठगी संबंधी कॉल्स की भाषाओं पर गौर करें तो पिछले कुछ महीनों में क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग बढ़ा है। इसकी वजह यह थी कि अब साइबर ठग उन लोगों को नौकरी का लालच देकर बुला रहे हैं, जिन्हें हिंदी के अलावा कोई क्षेत्रीय भाषा भी आती है। इस तरह उनका काम ज्यादा आसान हो जाता है। आम तौर पर पाकिस्तानी साइबर अपराधी पंजाब, सिंध और केपीके से होते हैं, जिन्हें हमारी ज्यादातर क्षेत्रीय भाषाओं का ज्ञान नहीं होता। वे हिंदी और पंजाबी तो बोल सकते हैं, लेकिन तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम, बांग्ला, उड़िया आदि भाषाओं में धाराप्रवाह बात करना उनके बूते से बाहर होता है। इसलिए चीनी गिरोहों के निशाने पर भारतीय युवा हैं। उन्हें म्यांमार के अलावा कंबोडिया में ऐसे गिरोह अपने जाल में फंसा चुके हैं। मोटी कमाई का झांसा देकर बुलाए गए ये भारतीय युवक जब वहां पहुंचते हैं तो इनके पैरों तले जमीन खिसक जाती है। इन्हें विभिन्न तरीकों से अपने ही देशवासियों को धोखा देना होता है। अगर कोई ऐसा करने से इन्कार करता है तो उसे भोजन नहीं दिया जाता, पिटाई की जाती है सो अलग। साइबर अपराधियों के इन गिरोहों के खिलाफ संबंधित देशों की सरकारों को कार्रवाई करनी चाहिए। इसके साथ ही भारतीय युवकों को चाहिए कि वे विदेश में मोटी कमाई के झांसे में न आएं। पहले पूरी जांच-पड़ताल करें। जिस कंपनी में नौकरी का वादा किया जा रहा है, उसके बारे में ऑनलाइन जानकारी जुटाएं। अगर किसी कंपनी का प्रतिनिधि खुशहाली के सब्ज बाग दिखाए, जल्द धनवान बनाने का वचन दे, सभी आर्थिक समस्याओं से मुक्ति दिलाने का संकल्प दोहराए तो इसे खतरे की घंटी समझें। कोई कंपनी इतनी ज्यादा समर्थ एवं साधन-संपन्न है तो वह पहले म्यांमार / कंबोडिया के नागरिकों का भला क्यों नहीं कर देती, जहां उसका दफ्तर है? उसे भारत से लोग क्यों चाहिएं? स्पष्ट है कि यह एक जाल है। जो इसमें फंसेगा, वह नुकसान में रहेगा।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र कोटा स्थित अपने निवास पर आज क्षेत्रवासियों से भेंट कर उनके अभाव-अभियोग सुने। अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। निरंतर संवाद आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम है।

-ओम बिरला

ओडिशा का क्रॉफ्ट दुनिया में प्रसिद्ध है। कला-संस्कृति के इस अलौकिक लोक में आएं तो यहां के क्रॉफ्ट से जरूर परिचित हों और पारंपरिक कला को देश-दुनिया तक पीढ़ियों से पहुंचाते आ रहे कलाकारों को प्रोत्साहित भी करें।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज ब्यावर जिले में वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और विकास कार्यों की गुणवत्ता हेतु उचित दिशा-निर्देश दिए।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

कर्म और परिणाम

रावण से युद्ध के दौरान जब लक्ष्मण मूर्च्छित हो गए, तब हनुमानजी ने संजीवनी बूटी लाकर उनकी मूर्च्छा को समाप्त किया। तंद्रा टूटने पर श्रीराम ने लक्ष्मण से कहा, 'भ्राता, मूर्च्छित होना अकारण नहीं हो सकता। शास्त्रों में अठारह दोषों का उल्लेख किया गया है, जिनके कारण प्राण संकट में पड़ सकते हैं। क्या तुमने किसी की झोपड़ी को अनजाने में नुकसान पहुंचाया है? क्या तुमने किसी को बिना भोजन कराए लौटने का संकेत दिया है? क्या तुमने कभी किसी गाय को चरने या पानी पीने से रोका है? क्या तुमने कभी किसी का धन अनजाने में हड़प लिया है?' लक्ष्मण ने उत्तर दिया, 'भ्राताश्री, मैंने इनमें से कोई भी दोष नहीं किया। परंतु तीन दोषों के कारण मुझे प्राणों का संकट झेलना पड़ा। पहला दोष यह था कि आपने स्वर्ण मृग का पीछा करने के लिए मुझे माता सीता की रक्षा का दायित्व सौंपा था, लेकिन मैंने आपकी आज्ञा का उल्लंघन किया। दूसरा, मैंने निर्दोष भरत पर संशय किया और तीसरा, मैंने दिन के समय सूर्योदय के बाद तक वन में सोने की चूक की।' भगवान श्रीराम ने कहा, 'नित्य और नैमित्तिक कर्मों में चूक करना भी पाप है।

सामयिक

महाकुम्भ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परंपरा से चला आ रहा है। ऋग्वेद, अथर्ववेद और श्रीमद्भागवत महापुराण में भी इसका उल्लेख है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसे संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से देखना अनुचित है। विपक्षी दलों के बयान ना सिर्फ़ उनके सनातन विरोधी चरित्र को दिखाता हैं बल्कि उनकी गिद्धदृष्टि को भी उजागर करता है जो महाकुंभ के खिलाफ़ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है।

महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों?

ललित गर्ग

मो. 9811051133

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा?

प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है।

मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतूकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते है कि हिन्दू भारत का बहुसंख्य वर्ग है, भारत एक हिन्दू राष्ट्र है, उसका विरोध करते हुए वे अपनी राजनीति जमीन को ही खोखला करते हैं। मोदी-योगी एवं भाजपा विरोध करते हुए वे राष्ट्र एवं सनातन विरोध पर उतर आते हैं। हिन्दू पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते है, जो धर्म एवं संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, विश्व मानवता को जोड़ने वाली है, उस पर कीचड़ उछाल कर वे सछिद्र नाव में सवार है। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं।

महाकुम्भ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परंपरा से चला आ रहा है। ऋग्वेद, अथर्ववेद और श्रीमद्भागवत महापुराण में भी इसका उल्लेख है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसे संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से देखना अनुचित है। विपक्षी दलों के बयान ना सिर्फ़ उनके सनातन विरोधी चरित्र को दिखाता हैं बल्कि उनकी गिद्धदृष्टि को भी उजागर करता है जो महाकुंभ के खिलाफ़ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। जबकि विदेशों से आये मेहमानों ने महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है, इटली से आए एक श्रद्धालु ने कहा, यहां आकर जो मेरा अनुभव है, वह काफी शानदार रहा है। इटली के ही एक फोटोग्राफर ने कहा कि वह महाकुंभ की तस्वीरें लेने आए हैं। कुंभ में घूमने के दौरान कुछ लोगों से मिलने का मौका मिला। मुझे भारत की विविधता काफी अच्छी लगती है। उन्होंने बताया कि वह अब तक पांच कुंभ मेलों में शामिल हो चुके हैं, लेकिन यह उनमें सबसे बेहतर है। ब्रिटेन से आई एक श्रद्धालु ने कहा, बहुत खुश हूं। यह एक बहुत ही खास जगह है। यह काफी जादुई लगता है। बहुत, बहुत अच्छा, एक प्यारा अनुभव। ब्रिटेन के ही एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि यहां गंगा नदी में स्नान का अनुभव काफी अच्छा है। मैं समझता हूं कि भारत सबसे बढ़िया देश है। इस तरह भारत के गौरव को बढ़ाने वाली इन टिप्पणियों से न केवल महाकुंभ बल्कि सनातन संस्कृति का दुनिया में परचम फहराया है बल्कि उसमें चार चांद लगे हैं।

नजरिया

देवों के देव, हर हर महादेव

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

पूरगौरम करूणावतारम
संसारसारम भुजगेन्द्रहारम।
सदावसंतम हृदयारविन्दे भवं
भवानीसहितम नमामि।।

भारतीय संस्कृति आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित है, जिसके रोम-रोम में देवों के देव भगवान शिव व्याप्त हैं। वे सर्वग्राह्य हैं तथा देव एवं दानव दोनों के द्वारा समान रूप से पूजनीय व वंदनीय हैं। शिव हीं पालक हैं और शिव हीं विनाशक, शिव हीं आदि हैं और शिव हीं अंत, शिव हीं शक्ति हैं और शिव हीं अनन्त। शिव हीं शक्ति के स्वरूप हैं और शिव हीं धरती पर जीवन ज्योति के अनंत प्रमाण भी हैं। वे साकार भी हैं निराकार भी। वे इस जगत के प्रथम यानी आदि गुरू हैं। इस ब्रह्मांड के कण-कण में शिव हैं।

ना पुण्यम ना पापम ना सौख्यम ना दुःखम
ना मन्त्रो ना तीर्थम ना वेदो ना यज्ञम।
अहम भोजनम नैव भोज्यम ना भोक्ता
चिदानन्द रूपः शिवोहम शिवोहम।।

अर्थात न मैं पुण्य हूं, न पाप, न सुख और न दुःख, न मंत्र, न तीर्थ, न वेद और न यज्ञ। मैं न भोजन हूं, न खाया जानेवाला हूं और न खानेवाला हूं, मैं चैतन्य हूं, आनंद हूं, शिव हूं, शिव हूं।

भगवान शिव के स्वरूप एवं व्यक्तित्व से मानव जीवन में सकारात्मकता, सादगी, प्रेम, संतुलन, एवं योग की सीख मिलती है।

भगवान शिव के द्वारा धारण किये जाने वाले सभी नवरत्नों की अपनी-अपनी प्रासंगिकता है। त्रिशूल तीन शक्तियों - ज्ञान , इच्छा एवं पूर्णता का, डमरू सृष्टि के आरम्भ एवं ब्रह्मनाद का, रूद्राक्ष शुद्धता एवं सात्विकता का, नन्दी धार्मिकता का, गंगा अध्यात्म की धारा का, चन्द्र आदि से अंत का, सर्पराज वासुकी अहंकार को वश में रखने का, तीसरा नेत्र बुद्धिमता, तथा व्याघ्र-खाल निडरता एवं दृढ़ता का प्रतीक है।

फाल्गुण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि को मनायी जाने वाली महाशिवरात्रि का उल्लेख विभिन्न पुराणों

यथा- स्कंद पुराण, लिंग पुराण, पदम पुराण में मिलता है। इसके संबंध में अनेक मान्यताएं, कथाएं, किंवदंतियां एवं रीति-रिवाज प्रचलित हैं, जो इस पावन अवसर को संसार में मनाये जा रहे पर्व-त्योहारों में विशिष्ट बनाते हैं। मान्यतानुसार इस तिथि को शिवजी मध्य रात्रि में लिंग रूप में प्रकट हुए थे, जिस कारण वे चतुर्दशी तिथि के स्वामी माने जाते है और फाल्गुण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को महाशिवरात्रि एवं अन्य चतुर्दशियों को शिवरात्रि मनाया जाता है। इस तिथि को सृष्टि का आरम्भ कहा जाता है।

महाशिवरात्रि जीवनरूपी चन्द्रमा तथा शिवरूपी सूर्य के समीप होने के कारण सौभाग्यशाली है। सनातन धर्म की पौराणिक मान्यता के अनुसार इसी दिन जगत के पालनहार महादेव जगत जननी माता पार्वती के साथ परिणय-सूत्र में बंधकर वैराग्य जीवन से गृहस्थ जीवन में प्रवेश किए थे। यह शिव एवं शक्ति के मिलन की रात है। भगवान शिव लिंग के रूप में पूजे जाते हैं, जो शिव एवं शक्ति दोनों को प्रतिबिंबित करती है। शिवलिंग के दो हिस्से होते हैं - लिंग जो नर भाग यानी शिव का प्रतीक है तथा योनी जो मादा भाग यानी शक्ति या पार्वती का प्रतीक है। संयुक्त रूप में दोनों सांसारिक एवं आध्यात्मिक एकता एवं पूर्णता के द्योतक हैं।

शिव पुराण के अनुसार एक बार ब्रह्मा एवं विष्णुजी में अपनी श्रेष्ठता को लेकर गर्मागरम वाद-विवाद हुआ। इसके गंभीर दुष्परिणाम की आशंका को भांपकर भगवान शिव फाल्गुण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि की रात्रि में करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले ज्योतिर्लिंग यानी अग्नि शिवलिंग के रूप में पहली बार प्रकट हुए थे जिनका न तो कोई आदि था और न हीं कोई अंत। (फाल्गुण कृष्ण चतुर्दशयमादिदेवो महानिशी, शिवलिंगा त्योदभवः कोटि सूर्य समप्रभः।) उन्होंने दोनों देवों को अग्निपुंज के आदि एवं अंत का पता लगाने की चुनौती दी। ब्रह्माजी हंस का रूप धारण कर उपरी छोर का पता लगाने के लिए उपर की ओर गये जबकि विष्णुजी वराह का रूप धारण कर पृथ्वी के अंदर पाताल में गये। परन्तु दोनों हीं देवतागण अपने अभियान में विफल रहे और यह स्वतः प्रमाणित हो गया कि देवों में शिव हीं श्रेष्ठ हैं। महाशिवरात्रि की यह घटना काम, क्रोध, लोभ, मोह, एवं घमंड से दूर रहने की सीख भी देती है।

महाशिवरात्रि के दिन आदिदेव जगत के 64 पुण्य-स्थलों पर ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे, परन्तु मानव को इनमें से मात्र 12 स्थलों की जानकारी रहने के कारण हम द्वादश ज्योतिर्लिंग (सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओमकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, विश्वनाथ, त्रिम्बकेश्वर, वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वर, गुश्मेश्वर) को हीं जानते एवं पूजते हैं। महाशिवरात्रि को देवालयों में दीपों की श्रृंखला सजायी जाती है ताकि ज्योतिपुंज के समान अग्नि की दहक उत्पन्न हो सके। इस पावन अवसर पर रात्रि में श्रद्धालुजनों के द्वारा उपवास, रात्रि जागरण, योग तथा निशित काल यानी मध्य रात्रि में हवन-पूजन किया जाता है जो ग्रह-दोष एवं शत्रुओं के विनाश के साथ-साथ मोक्ष प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त करती है। शिवं च मोक्षे च महादेवे सुखे।

महाशिवरात्रि को हीं भगवान शिव ने सृष्टि की रक्षा हेतु समुद्रमंथन के दौरान निकले सृष्टि विनाशक हलाहल विष का पान कर अपने कंठ में समेट लिया था, जिस कारण उनका कंठ नीला वर्ण का हो गया और वे नीलकंठ कहलाये। विष के कंठ में अटके रहने के कारण शिव के पूरे शरीर में जलन हुई। श्रद्धालुजन इस जलन को कम करने के निमित हीं शिवलिंग पर दूध, जल, मधु, घी, चीनी आदि का अर्पण करते हैं ताकि शिवकृपा से विश्व में सुख-शांति एवं प्रगति आ सके।

पृथ्वी के पंच महाभूतों यथा- क्षिति, जल, पावक, गगन एवं वायु की भांति भगवान शिव के पांच मुख क्रमशः ईशान, तत्पुरूष, अघोर, वामदेव एवं सद्योजात बताये गये हैं। महाशिवरात्रि में पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध एवं ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति ऐसी होती है कि इंसान के शरीर में कुंडलिनी उर्जा जागृत होती है। महाशिवरात्रि पशुपति, रूद्र, नटराज, जगदीश, भैरव, विश्वनाथ आदि 108 नामों से पूजनीय भगवान शिव के सदियों तक योग मुद्रा में ध्यान में लीन रहने के उपरान्त स्थिर तथा कैलाश पर्वत में एकाकार हो जाने का दिवस है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मोटापे के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी के अभियान के लिए नामित होना सम्मान की बात : आर. माधवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अभिनेता आर माधवन ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से मोटापे के खिलाफ शुरू किए गए अभियान के लिए नामित होना उनके लिए सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने मोटापे के खिलाफ लड़ाई में मदद के लिए सोमवार को विभिन्न क्षेत्रों की 10 हस्तियों को नामित किया, जिनमें जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उद्योगपति आनंद महिंद्रा, अभिनेता मोहनलाल व आर माधवन, गायिका श्रेया घोषाल, भोजपुरी गायक-अभिनेता निरहुआ, निशानेबाज मनु भाकर,

भारोत्तोलक मीराबाई चानू, इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि और सामाजिक कार्यकर्ता एवं सांसद सुधा मूर्ति शामिल हैं। माधवन ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताता हूं कि उन्होंने हमारे देश को बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करने के वास्ते यह आवश्यक और प्रभावशाली जागरूकता अभियान शुरू किया है। मैं इस महत्वपूर्ण संदेश को फैलाने के लिए नामित किए जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं बदले में निम्नलिखित व्यक्तियों को नामांकित करता हूं, जो विभिन्न तरीकों से मेरे लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत रहे हैं। मैं इन लोगों से विनम्रतापूर्वक आग्रह करता हूं कि वे भारत को स्वस्थ बनाने की इस पहल में शामिल हों। माधवन ने अपनी तरफ से अभियान के लिए जिन लोगों को नामित किया, उनमें ओलंपिक विजेता एथलीट नीरज चोपड़ा और रकुलप्रीत सिंह, विवेक ओबेरॉय तथा रोहित रॉय जैसी फिल्मी हस्तियां प्रमुख हैं।

भारत में कैंसर के निदान के बाद पांच में से तीन रोगियों की चली जाती है जान

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक कैंसर डेटा के विश्लेषण से अनुमान लगाया गया है कि भारत में हर पांच में से तीन लोग कैंसर के निदान के बाद दम तोड़ देते हैं, जिसमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं पर अत्यधिक बोझ पड़ता है। 'द लांसेट रीजनल हेल्थ साउथईस्ट एशिया' जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में मृत्यु दर का अनुपात लगभग चार में से एक पाया गया, जबकि चीन में यह दो में से एक था।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अध्ययन में पाया गया कि चीन और अमेरिका के बाद भारत कैंसर की घटनाओं के मामले में तीसरे स्थान पर है, और दुनिया भर में कैंसर से मौत के 10 प्रतिशत से अधिक मामले भारत में सामने आते हैं, जो चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। शोधकर्ताओं ने यह भी अनुमान लगाया कि आने वाले दो दशकों में, भारत को कैंसर की घटनाओं से संबंधित मौतों के प्रबंधन में एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि आबादी की उम्र बढ़ने के साथ मामलों में दो प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि होगी।

टीम ने ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी (ग्लोबोकॉन) 2022 और ग्लोबल हेल्थ ऑब्जर्वेटरी (जीएचओ) डेटाबेस का उपयोग करके पिछले 20 वर्ष में भारत में विभिन्न आयु समूहों और लैंगिक समूहों में 36 प्रकार के कैंसर की प्रवृत्तियों की जांच की। अनुसंधानकर्ताओं ने लिखा, भारत में कैंसर का निदान होने पर पांच में से लगभग तीन व्यक्तियों की मृत्यु होने की संभावना है।

निष्कर्षों से यह भी पता चला कि पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित करने वाले पांच सबसे आम कैंसर सामूहिक रूप से भारत में कैंसर के 44 प्रतिशत मामलों में कारक हैं। हालांकि, भारत में महिलाओं को कैंसर का अधिक प्रकोप झेलना पड़ा है क्योंकि स्तन कैंसर सबसे प्रचलित कैंसर बना हुआ है, जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों के कैंसर के नए मामलों में 13.8 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, वहीं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर तीसरा सबसे बड़ा (9.2 प्रतिशत) कारक है। महिलाओं में, कैंसर के नए मामलों के लगभग 30 प्रतिशत स्तन कैंसर के हैं, इसके बाद गर्भाशय ग्रीवा कैंसर है के लगभग 19 प्रतिशत मामले हैं। पुरुषों में सबसे अधिक पहचान मुख कैंसर के मामलों की हुई, जिसके 16 प्रतिशत नए मामलों दर्ज किए गए। अनुसंधान दल ने विभिन्न आयु समूहों में कैंसर के प्रसार में भी बदलाव पाया, जिसमें वृद्धावस्था आयु समूह (70 वर्ष और उससे अधिक आयु) में कैंसर का सबसे अधिक बोझ देखा गया। 15 से 49 वर्ष के आयु वर्ग में कैंसर के मामले दूसरे सबसे अधिक पाए गए और कैंसर से संबंधित मौतों के 20 प्रतिशत मामले इसी आयु वर्ग से जुड़े थे।

समारोह

हिंदू तीर्थयात्री सोमवार को अमृतसर में महाशिवरात्रि समारोह में भाग लेने के लिए पाकिस्तान के कटास राज मंदिरों की ओर जाने वाले दुर्गियाना मंदिर से नारे लगाते हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश को नई दिशा दी : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने केंद्र सरकार के आम बजट की प्रशंसा करते हुए यहां कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2047 के विकसित भारत के 'विजन' को साकार करने वाला बजट पेश किया है। इसके साथ ही मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दस साल में देश को एक नई दिशा देने का कार्य किया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मांडविया यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक नई कार्यशैली विकसित हुई है। बजट में दूरदर्शी सोच रखते हुए सर्वस्पर्शी, सर्व समावेशी और समग्र विकास को शामिल किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दस साल में देश को एक नई दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत का सपना देश के सामने रखा और उस सपने को साकार करने की दिशा में 'रोडमैप' भी तैयार कर जनता के सामने रखा। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के बजट में विकसित भारत के सपने को गति प्रदान करने की कार्यशैली देखने को मिल रही है। पार्टी के एक बयान के अनुसार, मांडविया ने कहा आज देश में रोजगार बढ़ा है। युवाओं के हाथ में रोजगार है और इससे देशवासियों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने कहा, 2004 से 2014 तक एक दशक में मात्र 4 करोड़ लोगों को रोजगार दिए गए हैं जबकि वर्ष 2014 से 2024 तक 17 करोड़ नए रोजगार सृजित कर लोगों को नौकरी दी गई है। एक दशक में 8 करोड़ लोग ईपीएफओ में पंजीकृत हुए हैं।

प्राइम वीडियो की सीरीज दुपहिया का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी ओरिजिनल सीरीज़ दुपहिया का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। दुपहिया के कलाकार गजराज राव ने एक प्रेस नोट में कहा, दुपहिया ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसका हिस्सा बनकर मैं वाकई रोमांचित हूं। एक गणित शिक्षक, बनवारी झा का किरदार निभाना, जो अपनी बेटी की ख़ुशी के लिए गणनाओं को किनारे रखकर सिर्फ दिल की सुनता है और मेरे लिए यह एक शानदार अनुभव रहा। रेणुका शहाणे ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, पुष्पलता का किरदार अब तक निभाए गए किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है। धड़कपुर की एक दृढ़-संकल्पी और दिलचस्प सरपंच के रूप में, इस भूमिका ने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में अपनी क्षमताओं को तलाशने और उसमें विस्तार करने का अवसर दिया। सीरीज़ में रोशनी झा (दुल्हन) की भूमिका निभा रही शिवानी रघुवंशी ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, दुपहिया में रोशनी झा का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद आनंददायक रहा। वह एक मज़ेदार और प्यारा किरदार है, जो अपनी ही दुनिया में रहती है, लेकिन उसे अच्छे से पता है कि वह क्या चाहती है। वह मासूम है, लेकिन दृढ़संकल्पी भी, परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना अपनी बात बेझिझक कहने वाली।

सीरीज दुपहिया सलोना बैंस जोशी और शुभ शिवदासानी के बैनर तले बॉम्बे फिल्म कार्टेल के तहत रचित और कार्यकारी निर्मित है।

सोनम नायर द्रिर्देशित और अविनाश द्विवेदी एवं चिराग गर्ग लिखित और रचित सीरीज़ दुपहिया एक काल्पनिक गाँव धड़कपुर की पृष्ठभूमि पर आधारित एक कॉमेडी-ड्रामा है, जो छोटे शहर के आकर्षण के साथ हास्य और नाटक का अनूठा मिश्रण पेश करती है। मज़ेदार किरदारों, अराजकता और रहस्यमयी घटनाओं के बेहतरीन मेल के साथ इस सीरीज़ में गजराज राव, रेणुका शहाणे, भुवन अरोड़ा, स्पर्श श्रीवास्तव, शिवानी रघुवंशी, और यशपाल शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। यह सीरीज़ सात मार्च को भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी।

दमदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया श्रीदेवी ने

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में श्रीदेवी का नाम एक ऐसी स्टार अभिनेत्री के रूप में लिया जाता है जिन्होंने अपने दमदार अभिनय और दिलकश अदाओं से दर्शकों के दिल में अपनी खास पहचान बनाई। श्रीदेवी का मूल नाम श्रीयम्मा यंगर था। उनका जन्म 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु के एक छोटे से गांव मीनमपटी में हुआ था। श्रीदेवी ने अपने सिने करियर की शुरूआत महज चार वर्ष की उम्र में एक तमिल फिल्म से की थी।वर्ष 1976 तक श्रीदेवी ने कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में बतौर बाल कलाकार काम किया। बतौर अभिनेत्री उन्होंने अपने करियर की शुरूआत तमिल फिल्म 'मुंदरू मुदिची' से की। वर्ष 1977 में प्रदर्शित तमिल फिल्म '16 भयानिथनिले' की व्यावसायिक सफलता के बाद श्रीदेवी स्टार अभिनेत्री बन गई।हिंदी फिल्मों में बतौर अभिनेत्री श्रीदेवी ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1979 में प्रदर्शित फिल्म 'सोलहवां सावन' से की लेकिन फिल्म असफल होने के बाद श्रीदेवी हिंदी फिल्म उद्योग छोड़ दक्षिण भारतीय फिल्मों की ओर लौट गई। वर्ष 1983 में श्रीदेवी ने एक बार फिर

पुण्यतिथि पर विशेष

फिल्म 'हिम्मतवाला' के जरिये हिंदी फिल्मों की ओर अपना रूख किया। फिल्म की सफलता के बाद बतौर अभिनेत्री वह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गई।

वर्ष 1983 में श्रीदेवी के सिने करियर की एक और अहम फिल्म 'सदमा' प्रदर्शित हुई। फिल्म हालांकि टिकट खिड़की पर असफल साबित हुई लेकिन सिने दर्शक आज भी ऐसा मानते हैं कि यह श्रीदेवी के कैरियर की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में एक है।वर्ष 1986 में प्रदर्शित फिल्म 'नगीना' श्रीदेवी के सिने करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है। इस फिल्म में श्रीदेवी ने इच्छाधारी नागिन का किरदार निभाया। इस फिल्म में उन पर फिल्माया गीत 'मैं तेरी दुश्मन दुश्मन तू मेरा' में उन्होंने जबरदस्त नृत्य शैली का परिचय दिया। वर्ष 1987 में प्रदर्शित फिल्म 'मिस्टर इंडिया' श्रीदेवी की सबसे कामयाब फिल्म साबित हुई। वर्ष 1989 में श्रीदेवी के सिने करियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म 'चालबाज' प्रदर्शित हुई। इस फिल्म में श्रीदेवी ने दो जुड़वा बहनों की भूमिका निभाई। श्रीदेवी के लिए यह किरदार काफी चुनौतीपूर्ण था लेकिन उन्होंने अपने सहज अभिनय से न सिर्फ इसे अमर बना दिया बल्कि आने वाली पीढ़ी की अभिनेत्रियों के लिए उदाहरण के रूप में पेश किया।

अक्षय,सोनाली ने लगाई आस्था की डुबकी

महाकुम्भ नगर/एजेन्सी

बालीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने सोमवार को त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई और आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की ,वहीं एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने भी स्वामी चिदानंद सरस्वती के आश्रम में पहुंच कर सनातन संस्कृति के पावन पर्व की सुखद अनुभूति प्राप्त की। संगम स्नान करने के बाद अक्षय कुमार ने कहा, मैंने खूब आनंद लिया। इस बार की व्यवस्था बहुत शानदार है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इतनी बेहतरीन व्यवस्था करवाई। 2019 के कुम्भ में लोगों को काफी दिक्कतें होती थीं, लेकिन इस बार सब कुछ बहुत सुव्यवस्थित है। अंबानी और अदानी समेत बड़े उद्योगपति, बड़े सितारे यहां आ रहे हैं, जिससे महाकुम्भ की भव्यता और बढ़ गई

है। उन्होंने पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत से ही यह आयोजन इतना सफल हो पाया है।

बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री कटरीना कैफ ने भी महाकुम्भ में आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव किया। उन्होंने परमार्थ निकेतन शिविर में स्वामी चिदानन्द सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्हें भगवान शिव की मूर्ति और रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया गया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि जब बॉलीवुड जैसी लोकप्रिय इंडस्ट्री के सितारे महाकुम्भ में आते हैं, तो यह युवाओं को धर्म और संस्कृति से जोड़ने का कार्य करता है। यह संदेश देता है कि आध्यात्मिकता केवल साधु-संतों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग हो सकती है। साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा, युवा पीढ़ी को यह समझना चाहिए कि अध्यात्म सिर्फ बुजुर्गों या साधु-संतों के लिए नहीं है। जब कटरीना कैफ जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियां महाकभ में आती हैं, तो यह हमारे युवाओं को अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा देता है। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे भी अपने परिवार के साथ महाकुम्भ 2025 में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंचीं। उन्होंने त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान कर आस्था और अध्यात्म का अनुभव किया। संगम में स्नान के बाद सोनाली बेंद्रे ने कहा कि महाकुम्भ में आकर उन्हें अपार शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ। उन्होंने इस दिव्य आयोजन में शामिल होकर भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता को और करीब से महसूस किया।

दौरा

अभिनेत्री कैटरीना कैफ सोमवार को प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की अपनी यात्रा के दौरान परमार्थ निकेतन शिविर का दौरा करती हुई।

फिल्म 'सरकारी बच्चा' में श्रेष्ठा अय्यर ने बिखेरा अपना जलवा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'सरकारी बच्चा' के गाने 'एग्रीमेंट करले' में भारतीय क्रिकेटर श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर ने अपने डांस मूव्स से अपना जलवा बिखेरा है। इस गाने में श्रेष्ठा ने मुख्य कलाकारों रुसलान मुमताज और आन्या तिवारी के साथ अपना डांस मूव्स दिखाया है। फिल्म 'सरकारी बच्चा' एक हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी है, जो एक युवा जोड़े की प्रेम कहानी की मनोरंजक चुनौतियों को दर्शाती है, जिसमें सरकारी नौकरी हासिल करने के सामाजिक दबावों से उलझे लोगों की जीवनी दिखाई गयी है। फिल्म का निर्माण फ्लाइंग बर्ड पिक्चर्स के बैनर तले दानिश सिद्दीकी ने किया है और इसका सह-निर्देशन सूर्यकांत त्यागी और दानिश सिद्दीकी ने किया है। कलाकारों में बृजेंद्र काला,

एहसान खान, दिवंगत जूनियर महमूद, आशीष सिंह, गुरप्रीत कौर चड्ढा, रिजवान सिकंदर और हेमंत चौधरी जैसे उल्लेखनीय कलाकार शामिल हैं। रितु पाठक का गाया गया एग्रीमेंट करले गाना अपनी आकर्षक धुन और जीवंत कोरियोग्राफी के साथ चार्टबस्टर बन सकता है।

'महाभारत' पर फिल्म बनाना मेरा सपना : आमिर

मुंबई/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने शनिवार को कहा कि वह महाकाव्य महाभारत' को बड़े पर्दे पर पेश करने के अपने सपने को साकार करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। एबीपी नेटवर्क के 'आइडियाज ऑफ इंडिया 2025' कार्यक्रम में आमिर ने यह भी कहा कि वह बच्चों पर केंद्रित फिल्में और कार्यक्रम अधिक बनाना चाहते हैं।

अभिनेता ने कहा, महाभारत पर फिल्म बनाना मेरा सपना है। शायद अब मैं इस सपने के बारे में सोच पाऊंगा। देखते हैं कि इसमें मेरा कोई किरदार होगा या नहीं। मुझे बच्चों से 'जुड़ा कंटेंट' बनाने में भी दिलचस्पी है। भारत में हम बच्चों के लिए 'कम कंटेंट' बनाते हैं। आमतौर पर हम विदेश के कंटेंट' डब करके रिलीज करते हैं। मैं बच्चों पर केंद्रित कहानियां बनाना चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'एक अभिनेता के तौर पर मैं एक समय में एक ही फिल्म करता हूं और मैं इससे खुश हूं। लेकिन एक निर्माता के रूप में, मैं ज्यादा फिल्में बनाना चाहता हूं। अगले महीने मैं 60 साल का हो जाऊंगा और आने वाले 10-15 वर्षों तक मैं ज्यादा काम करना चाहता हूं, नई प्रतिभाओं को अवसर देना चाहता हूं।' 'रंग दे बसंती', 'दिल चाहता है', 'लगान' और '3 इडियट्स' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर आमिर ने कहा कि हिंदी फिल्म उद्योग में लेखकों को अधिक पहचान और समर्थन देने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, भारत में अधिक सिनेमाघरों की जरूरत है। चीन में एक लाख से अधिक सिनेमाघर हैं, जबकि हमारे यहां केवल 10,000

सिनेमाघर हैं। हमें ऐसे सिनेमाघर चाहिए, जो बड़े पैमाने पर दर्शकों की उम्मीदों को पूरा करें। आमिर ने अपने बेटे जुनैद खान की हालिया प्रदर्शित फिल्म 'लवयापा' की असफलता पर भी बात की और कहा कि इससे वह निराश हुए।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म अच्छी है और जुनैद ने भी काफी अच्छा काम किया है। एक पिता के रूप में मैं अपने बेटे की फिल्म को लेकर दस गुना ज्यादा तनाव में था। रिलीज से दो हफ्ते पहले, मैं सोच रहा था कि मैं इतना चिंतित क्यों हूं? यह मेरी फिल्म नहीं है, न तो मैंने इसमें अभिनया किया है, न ही इसका निर्माण या निर्देशन किया है। लेकिन फिर भी मैं बेचैन था।

आमिर ने उम्मीद जताई कि जुनैद फिल्म उद्योग में आगे बढ़ेगा और सीखेगा। उन्होंने कहा, हम जुनैद के साथ एक फिल्म कर रहे हैं, जो नवंबर या दिसंबर में रिलीज होगी। यह एक रोमांटिक फिल्म है और इसकी कहानी बहुत अच्छी है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां सफलता और असफलता का सामना करना पड़ता है। आमिर जल्द 'तारे जमीन पर' की सीक्वेल 'सितारे जमीन पर' में नजर आएंगे। इस फिल्म के 2025 के मध्य में सिनेमाघरों में दस्तक देने की संभावना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | मंगलवार | 25-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

श्रमण संघीय उप प्रवर्तक नरेशमुनिजी म. सा., युवा मनीषी श्री शालीभद्र मुनिजी, डॉ समकितमुनिजी म. सा. एवं समस्त 23 संत सतीवृंद की पावन निश्रा में 'गुरु माँ संयम स्वर्ण जयंती महोत्सव समिति' के तत्वावधान में साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी म. सा. का 50वाँ स्वर्ण दीक्षा महोत्सव गणेश बाग स्थानक में सेवा, तप त्याग एवं 1008 सजोड़े सामायिक आराधना द्वारा मनाया गया।

'रोबोटिक्स में महारत, नासा से नौकरी का प्रस्ताव' ... मेधावी प्रद्युम्न बने बीएपीएस में संन्यासी

दो पेटेंट भी कर चुके अपने नाम

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। इलेक्ट्रिकल एवं रोबोटिक्स इंजीनियरिंग में महारत रखने वाले एक युवक ने सांसारिक मोह-माया को त्यागकर बीएपीएस में संन्यास दीक्षा ग्रहण की है। दी गई जानकारी के अनुसार, न्यूज़ीलैंड के ऑकलैंड में जन्मे प्रद्युम्न भगत अब स्वामी केशवसंकल्पदास बन गए हैं। उन्होंने अपने जीवन को बीएपीएस के आध्यात्मिकता, सेवा और नैतिक उत्थान के वैश्विक मिशन को समर्पित कर दिया है।

प्रद्युम्न भगत अत्यंत मेधावी छात्र रहे हैं। वे 15 साल की उम्र में टेड एक्स वक्ता बन गए थे। उनके नाम पर दो पेटेंट भी हैं। उन्होंने अटलांटा से इलेक्ट्रिकल एवं रोबोटिक्स इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। यही नहीं, उन्होंने बोइंग के लिए अत्याधुनिक रोबोटिक्स पर काम किया था। इसके बाद बोइंग और नासा जेपीएल से उच्च पद पर नौकरी के प्रस्ताव मिले थे।

इसके बावजूद उन्होंने बीएपीएस में संन्यासी जीवन अपनाने का फैसला किया। उन्होंने संन्यास दीक्षा ग्रहण कर अपने आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत कर दी है। इस फैसले को निःस्वार्थता, भक्ति और विश्वास के उच्चतम मूल्यों का प्रतीक बताया जा रहा है। स्वामी केशवसंकल्पदास की इस दिव्य यात्रा के बारे में बीएपीएस ने कहा कि यह एक उच्च उद्देश्य का प्रमाण है, जो आध्यात्मिकता, भक्ति और निःस्वार्थ सेवा में निहित है। संस्था ने कहा कि उनकी कहानी लोगों को मानवता की निःस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरणा देगी।

सुनहरे भविष्य के लिए मैग्राथन दौड़ का आयोजन किया

चेन्नई: /दक्षिण भारत। अड्यार के बसंत नगर में मैग्राथन 2025 का आयोजन किया गया ओलकॉट स्कूल प्रांगड़ में हजारों उत्साहित धावक धाविकाएं एक महान उद्देश्य के लिए एकत्रित हुए। आरसीसी मैग्रम यूथ के अध्यक्ष प्रदीप सेठिया तथा सचिव रमेश सुराणा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सफल निर्देशन श्रेणिक नीतू कोचर ने किया। इस वर्ष आयोजित होने वाले मैग्राथन दौड़ में दो महत्वपूर्ण सामाजिक मिशनों को आगे बढ़ना था। जिसमें पहला लोगों को कौशल प्रदान करना तथा नशीली दवाइयों के प्रयोग के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में आवड़ी के पुलिस आयुक्त एवं वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के. शंकर, आयकर आयुक्त आईआरएस नंदकुमार, डीजी वैष्णव कॉलेज के सचिव डॉ. अशोक मूंदड़ा कोठारी इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. रफीक अहमद तथा कासाग्रैंड के विपणन उपाध्यक्ष विमेश नायर ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मैग्राथन में धावकों को चार भिन्न श्रेणियों में विभाजित किया गया था जिनमें 21 किलोमीटर 10 किलोमीटर 5 किलोमीटर और 1.5 किलोमीटर की दौड़ शामिल थी। इस मैग्राथन में पांच हजार से अधिक धावक धाविकाओं ने भाग लेकर सामाजिक बुराईयों के प्रति जन जागरूकता फैलाया। आयोजन से जुटाई गई धनराशि का प्रयोग नशीली दवाओं के दुरुपयोग से प्रभावित व्यक्तियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम को आगे बढ़ाने तथा पुनर्वास प्रयासों के लिए किया जाएगा इस मैराथन का एक अन्य उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसरों तथा स्वस्थ जीवन शैली के विकल्पों के बारे में अवगत करवाना भी रहा। इस मैराथन के प्रमुख प्रायोजक चेन्नई के प्रसिद्ध रियल स्टेट डेवलपर कासा ग्रैंड तथा सह प्रायोजक डीजी वैष्णव कॉलेज थे।

विजय शांति जैन मंदिर में आठवां ध्वजारोहण संपन्न

चेन्नई। चेन्नई के नुंगमबाक्कम स्थित विजयशांति अपार्टमेंट्स में बने तीर्थंकर श्रेयांसनाथ जैन मंदिर में 8वां ध्वजारोहण समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर ललवाणी परिवार को ध्वजारोहण का सौभाग्य प्राप्त हुआ। परिवार के सभी सदस्यों ने पूरे विधि-विधान के साथ मंदिर में ध्वजा अर्पित की। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया।

ध्वजारोहण समारोह की शुरुआत ललवाणी परिवार के निवास से हुई। बैंड बाजे के साथ भव्य वरघोड़ा निकाला गया, जो मंदिर परिसर तक पहुंचा। इसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति गीत गाए और पूरे जोश के साथ भाग लिया। मंदिर पहुंचने के बाद विशेष पूजा-अर्चना की गई, जिसमें सत्तरभेदी पूजा, दूध और पानी के अभिषेक के साथ मंत्रोच्चार किया गया। इसके बाद प्रकाश चंद्र, सुरेशचंद, राजेश ललवाणी परिवार के संजय, प्रवीण, सुशील, हर्ष, तन्मय और ध्रुव ललवाणी ने ध्वजारोहण किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सुनील कुमार खेतपालिया, आनंदमल छल्लाणी, मीठालाल पगारिया, सुरेश लुणावत, सुरेश गादिया, सज्जनराज देसरला, नवरतनमल लोढ़ा, जयकुमार कांटेड, आनंद खींवसरा, गौतम ललवाणी, प्रकाशचंद्र भंडारी, सी महावीरचंद्र गादिया और कान्तिलाल सुराणा सहित सैकड़ों भक्त इस विशेष आयोजन के साक्षी बने। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तों ने भजन-कीर्तन गाए और भगवान से सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर प्रांगण में चारों ओर श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। सभी ने मिलकर इस शुभ अवसर का आनंद लिया।

ब्यावर एसोसिएशन का होली मिलन

चेन्नई/दक्षिण भारत। ब्यावर एसोसिएसन का होली मिलन एक विशेष अंदाज में पांडिचेरी में हुआ। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत गोठी, सचिव राजेश बोहरा, मिलन चेयरमैन महावीर पारख और अभय लोढा के नेतृत्व में आयोजित इस मिलन में पतंगबाजी का सभी ने लुफ्त उठाया। रात्रि में खेलकूद और होलिका दहन का सभी ने आनंद उठाया। दूसरे दिन सबह दक्ष कलाकारों द्वारा घुंघरू, चंग ग़ैर प्रस्तुति के साथ लड्डमार होली, गुलाल, अबीर पिचकारी से खेली गई। सभी ने ठंडाई का आनन्द उठाया। मेहमाननबावजी के लिए गौतम बोहरा, राजकुमार कोठारी की सेवाएं अभिनंदनीय रही।

तीन दिवसीय 'गीता ज्ञान' 28 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां दादी परिवार के तत्वावधान में तीन दिवसीय गीता ज्ञान उपदेश का आयोजन किया जा रहा है। 28 फरवरी से 2 मार्च तक होने वाले इस कार्यक्रम में माधव मिशन संस्थापिका एवं महामंडेश्वर डॉ. विजया माधव मथुरावारी अपनी ओजस्वी वाणी से गीता ज्ञान पर व्याख्यान देंगी। सुबह 11 बजे से 2.30 बजे तक चलने वाले इस कार्यक्रम के उपरांत महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। ईआरपी लेआउट के समुद्र ग्रैंड महल में होने वाले इस कार्यक्रम में अधिक जानकारी के लिए फोन नं.9360097595, 9345990683 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

मित्र मंडल का महाशिवरात्रि महोत्सव कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय मित्र मंडल के तत्वावधान में इस वर्ष भी माहेश्वरी भवन में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में रात 8.30 बजे से भजन गायक हरिकिशन सारड़ा और मोनू गादिया प्रस्तुति देंगे। रात 11.30 बजे आरती और फलाहार होगा। इस अवसर पर भगवान शिव की विशेष झांकी सजाई जाएगी। अध्यक्ष रामेश्वरलाल पंचारिया और मंत्री कमल लिल्हा ने सभी शिवभक्तों से कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

श्याम मंदिर में निशान पूजा और कीर्तन 1 मार्च को

बेंगलूरु। बनरघट्टा स्थित श्रीश्याम मंदिर में 1 मार्च को शाम 4.15 से निशान पूजा और कीर्तन फाल्गुन धमाल का आयोजन किया जाएगा। इसमें सभी भक्तों को आमंत्रित किया गया है। कीर्तन के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा। बताया गया कि इन निशानों को खाटू में श्याम बाबा को समर्पित किया जाएगा। 5 मार्च को रींगस से बेंगलूरु के 101 श्रद्धालु 20वीं निशान यात्रा में शामिल होंगे।

एक साथ चुनाव कराना अलोकतांत्रिक नहीं, संघीय ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचाएगा : विधि मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विधि मंत्रालय ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संबंधी विधेयकों की पड़ताल कर रही संसद की संयुक्त समिति से कहा है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना अलोकतांत्रिक नहीं है और इससे संघीय ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा।

संयुक्त समिति के सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में, ऐसा समझा जाता है कि केंद्रीय विधि मंत्रालय के विधायी विभाग ने कहा है कि अतीत में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए गए थे, लेकिन कुछ राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने सहित विभिन्न कारणों से यह चक्र टूट गया था।

सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने कुछ सवालों के जवाब दे दिए हैं, जबकि कुछ अन्य सवालों को निर्वाचन आयोग को भेज दिया गया है।संयुक्त समिति की अगली बैठक मंगलवार को होगी।

संविधान को अंगीकृत किये जाने के बाद 1951 से 1967 तक लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ आयोजित किये गये। लोक सभा और राज्य विधानसभाओं के लिए पहले आम चुनाव 1951-52 में एक साथ आयोजित किये गये थे, और यह परंपरा 1957, 1962 और 1967 में हुए तीन आम चुनावों तक जारी रही। हालांकि, कुछ राज्य विधान सभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण 1968 और 1969 में चुनाव कराए जाने से यह चक्र बाधित हो गया।

चौथी लोकसभा भी 1970 में समय से पहले भंग कर दी गई थी, तथा 1971 में नए चुनाव कराए गए थे। पहली, दूसरी और तीसरी लोकसभा के विपरीत, जिन्होंने अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा किया था, पांचवीं लोकसभा का कार्यकाल आपातकाल की घोषणा के कारण अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 1977 तक बढ़ा दिया गया था।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर सरकार की तरफ से जारी बयान कहा गया था कि तब से अब तक केवल कुछ ही लोकसभाओं का कार्यकाल पूरे पांच साल तक चला है, जैसे आठवीं, दसवीं, 14वीं और 15वीं, छठी, सातवीं, नौवीं, 11वीं, 12वीं और 13वीं सहित अन्य लोकसभाओं को समय से पहले ही भंग कर दिया गया था। राज्य विधानसभाओं को पिछले कुछ सालों में इसी तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ा है।

सरकार ने कहा है, इन घटनाक्रम ने एक साथ चुनाव कराने के चक्र को पूरी तरह बाधित कर दिया, जिसके कारण देश भर में अलग-अलग चुनावी कार्यक्रम होने का वर्तमान पैटर्न बन गया। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बयान में कहा गया कि एक साथ चुनाव कराने से शासन में एकरूपता को बढ़ावा मिलता है।

संयमी साधक जहर को भी पीकर उसे अमृत बना देता है : नरेशमुनि

साध्वी डॉ. दर्शनप्रभा का स्वर्ण दीक्षा महोत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

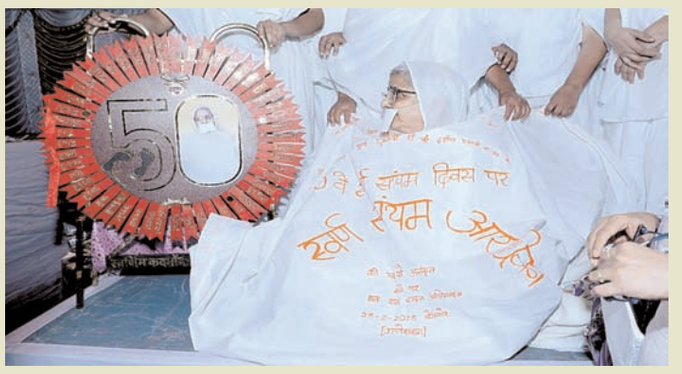

बेंगलूरु। श्रमण संघीय उप प्रवर्तक नरेशमुनिजी म. सा., युवा मनीषी श्री शालीभद्र मुनिजी, डॉ समकितमुनिजी म. सा. एवं समस्त 23 संत सतीवृंद की पावन निश्रा में 'गुरु माँ संयम स्वर्ण जयंती महोत्सव समिति' के तत्वावधान में साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी म. सा. का 50वाँ स्वर्ण दीक्षा महोत्सव गणेश बाग स्थानक में सेवा, तप त्याग एवं 1008 सजोड़े सामायिक आराधना द्वारा मनाया गया। उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने कहा कि संसार में रह कर सारे धर्म हो सकते है लेकिन सारे पापों का क्षय नहीं कर सकते। इसीलिए संयम जीवन आवश्यक है। साधु जीवन में रहकर ही सारे पापों का क्षय कर सकते संयमी साधक जहर को भी पीकर उसे अमृत में रूपांतरित करते है। जो सहन करता है वही कुंदन बनता है। गुरुवर्या दर्शनप्रभा का जीवन कठोर है लेकिन उनके भाव शुद्ध है। श्रम आपके जीवन का अभिन्न अंग है। जिनशासन की प्रभावना और श्रमण संघ के प्रति निष्ठा की भावना आपके प्रमुख गुण है। डॉ समकितमुनिजी ने कहा कि संयमी साधक हमसे कुछ नहीं लेते लेकिन हमें बहुत कुछ दे जाते है।

संयमी संत सती वृन्द की प्रेरणा से ही आज जिनशासन और श्रमण संघ महक रहा है। उन्होंने गुरु निहाल परिवार की ओर से डॉ दर्शनप्रभा के संयम दिवस पर शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए आदर की चादर भेंट की। शालीभद्रमुनि ने कहा कि संयम जीवन के 50 वर्ष पूर्ण करना एक बहुत ही बड़ी बात है। आपके जीवन में त्याग, निष्ठा और समर्पण का भाव झलकता है। आपने त्याग और तपस्या से स्वयं को श्रृंगारित किया। आपके जीवन की प्रत्येक क्रिया सबके लिए प्रशंसनीय ही नहीं अनुकरणीय है। गुरु के प्रति समर्पण, निष्ठा के भाव व दृढ निश्चय रखने वाली साध्वी का हमें आगे लाने में बड़ा योगदान है। साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी ने कहा कि वैराग्य का एक छोटा सा बीज वटवृक्ष बन कर जीवन में उभरता है। गुरुवर्या कुसुम व चारीत्र प्रभा जी के अनंत उपकार हमारे जीवन में है जिन्होंने हमे संयम के मार्ग की ओर अग्रसर किया। उनके उपकारो को भुलाया नहीं जा सकता। संयम जीवन सिर्फ संसार से वैराग्य, प्रभु की आराधना तक सीमित नहीं है। साध्वी प्रतिभाश्रीजी ने कहा कि दीक्षा की अनुमोदना हमारे कर्मो की निर्जरा करती है। गुरुवर्या का संयमी जीवन उत्तरोत्तर प्रगति करता रहे यही मंगल कामना करते है। गुरु माँ का समर्पण जीवन, संकल्प शक्ति, तप साधना सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। साध्वी मल्ली श्री जी, मेघाश्री जी, साध्वी आस्थाजी, साध्वी श्रद्धाश्रीजी, साध्वी समृद्धिजी, साध्वी पुनीत ज्योतिजी, साध्वी तरुणशीलाजी, साध्वी आस्थाजी एवम पद्मावती आराधिका चंदनप्रभाजी ने भी गुरु माँ के स्वर्णिम दीक्षा महोत्सव पर शुभकामनाएँ देते हुए अपने अपने व्यक्तव्य बताए। आचार्य डॉ शिवमुनिजी म. सा. द्वारा साध्वी दर्शनप्रभा को 50 वे संयम दिवस पर 'स्वर्ण संयम आराधिका' पद से अलंकृत किया गया।

गौतम प्रसादी एवं प्रभावना का आयोजन समिति की ओर से रहा। चतुष्दीवशीय कार्यकर्मों मे सेवा दिवस 20 फरवरी को अन्नदानम के लाभार्थी अशोककुमार महेंद्रकुमार रांका परिवार, 21 फरवरी को गौशाला गुरुनी मा के सांसारिक परिवार वालों ने लाभ लिया। 22 फरवरी को तप दिवस में समिति की तरफ़ से करीब 400 एकासना की व्यवस्था समिति की तरफ से व अंतिम दिवस 23 फरवरी को संयम दिवस मे करीब 800 सजोड़े सामायिक आराधकों को तीन-तीन सामयिक करके गुरु मां को संयम दिवस की भेंट दी। सभी सामायिक करने वाले आराधकों को पंचकेशरी बड़ेरा ज्वेलर्स, बेंगलूरु के परिवार की ओर से प्रभावना व समिति की ओर से प्रभावना दी गई।

दीक्षा समिति एवं जैन कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने अपने स्वागत भाषण में गुरु माँ के दीक्षा महोत्सव पर अपने विचार रखते हुए सभी का स्वागत किया। समिति के व महासंघ कार्यदर्शी अभय कुमार बांठिया ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। समीति के संयोजक व अक्कीपेट, व गुरु पुष्कर जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, सेन्ट्रल संघ के अध्यक्ष व ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अशोककुमार रांका, ट्रस्ट के महामंत्री महावीर मेहता, चिकपेट के अध्यक्ष चेतनप्रकाश डूंगरवाल, दिल्ली से आए सांसारिक भाई श्रवणकुमार लोढ़ा ने गुरु माँ के स्वर्ण दीक्षा दिवस पर अपने भाव रखे। वैरागी व वैरागन लावेश सिंघवी, अंजली बागरेचा, ऋद्धि जैन, पायल जैन ने भी अपने विचार रखे। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर महिला मंडल एवं कामधेनु महिला मंडल ने सुंदर प्रस्तुति दीव कामधेनु महिला मंडल ने मुखवस्त्रिका की प्रभावना का लाभ लिया। महावीरचंद मेहता ने गुरु ज्येष्ठ पुष्कर ट्रस्ट की विस्तृत जानकारी दी।

जैन कांफ्रेंस नई दिल्ली के जीवन प्रकाश योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबुलाल रांका, वैयावच्च के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोककुमार रांका व कर्नाटक के प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाशचंद बुरड का भी अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर महावीर चंद मेहता को भी जीवन प्रकाश योजना के कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष मनोनीत किए गया। समारोह में आगरा, दिल्ली, गाजियाबाद, जयपुर, पूना, सूरत, उदयपुर, भीलवाड़ा, हुब्बल्ली, सिंधनूर,बल्लारी,बम्बई, एवं भारत के विभिन्न नगरों से गुरु भक्त उपस्थित हुए। बेंगलूरु के विभिन्न संघ संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्यों की उपस्थिति रही।

समिति के मुख्य मार्गदर्शक डॉ भीकमचंद संकलेचा, संरक्षक बाबूलाल रांका, चेतनप्रकाश डूंगरवाल, संपतराज माण्डोत, मीठालाल भंसाली, मीठालाल मकाना, चेयरमेन महावीरचंद मुथा, सह चेयरमेन उत्तमचंद रातड़िया, अध्यक्ष प्रकाश बुरड, मुख्य संयोजक नेमीचंद सालेचा, अशोककुमार रांका, महावीरचंद मेहता, प्रमुख कार्यदर्शी अभयकुमार बाँठिया, कार्यदर्शी नेमीचंद दलाल, सुरेंद्रकुमार आँचलिया अशोककुमार धोका, रमेश बोहरा, कोषाध्यक्ष चेतनकुमार रेदासनी, फूलचंद लुंकड़, पुखराज आँचलिया, महेन्द्रकुमार रांका, महावीरचंद लुंकड़, आवास निवास व्यवस्था में किशोर बागरेचा, प्रवीण नेतानी, भोजन व्यवस्था में सतीश रूणवाल एवं सभी संघ संस्थाओं के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों में सुरेशचंद छल्लाणी, रतनचंद सिंघी, आरती बुरड़, जसवंत गन्ना, दिनेश पोखरना,आशीष भंसाली, संतोष आछा व अन्य की उपस्थिति रही।

एसएमएस विहार सेवा, जैन कॉन्फ्रेंस युवाशाखा, ज्येष्ठ पुष्कर सेवा संघठन, त्रिशला महिला मण्डल, राजाजीनगर, हीराबाग महिला मण्डल, आनंद महिला तीर्थ परिषद का विहार सहयोग रहा। बस व्यवस्था के लाभार्थी महावीरचंद श्रीपाल सुदर्शन कुमार मेहता रहे। आभार ज्ञापन समिति के कार्यदर्शी नेमीचंद दलाल ने किया। मंच संचालन मुनि शालीभद्रजी ने किया। सह संचालन महावीरचंद मेहता ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.